मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 9 अंक 39
शनिवार, 15 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-8
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वरुण चौबे
सफल युवा उद्यमी एवं विप्र फाऊंडेशन बोईसर के सक्रिय, सामर्थ्यवान और सम्मानित सदस्य

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शिवपूजन पांडे
वरिष्ठ पत्रकार
महासचिव
समरस फाउंडेशन

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संजय मिश्रा
समाजसेवी
माटुंगा, मुंबई

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

तुलसी राम केवट
औद्योगिक शहर बोईसर, आजाद नगर पं., पालघर (महाराष्ट्र)
मो.- 9764299808

* केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन ट्रस्ट: संस्थापक अध्यक्ष
* शिव तेज मित्र मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट: अध्यक्ष
* उत्तर भारतीयमोर्चा महाराष्ट्र: प्रदेश कार्यकारणी सदस्य/ थाना जिला सह प्रभारी
* बोइसर स्टेशन: प्रमुख सलाहकार
* पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी भाजपा: वार्ड नंबर 39 मछली शहर जौनपुर
* निषाद राज जयंती मछली शहर संस्थापक
* पूर्व बोईसर मंडल उपाध्यक्ष भाजपा
* नेशनल एंटी करप्शन एंड ऑपरेशन कमेटी ऑफ इंडिया पूर्व राष्ट्रीय ओबीसी पीआरओ

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री बिजेंद्र रामचंद्र सिंह
समाजसेवी
एवं
व्यवसायी
नालासोपारा

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज राय
मैनेजिंग डायरेक्टर
चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन
मोटिवेशनल स्पीकर, शिक्षा विद, कांउसलर
MOB: 9022095857

अवकाश

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर समाचार पत्र का प्रकाशन बंद रहेगा। अगला अंक एक दिन बाद प्रकाशित होगा।
-प्रबंध संपादक

शुभकामना

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर सभी पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापन दाताओं को हार्दिक अभिनन्दन।
-उप संपादक

जय श्रीराम
श्री रामलीला उत्सव समिति
पार्कसाइट, विक्रोली, मुंबई-79
की
तरफ से समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) एवं कृष्ण जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, रामनवमी, नवरात्रि, दशहरा की
हार्दिक शुभकामनाएं

स्मृतिशेष
श्री चंद्रशेखर आर शुक्ल
पूर्व प्रमुख मार्गदर्शक
श्री प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल 'रिंकू भइया'
अध्यक्ष
श्री दिवाकर आर मिश्र
सचिव
श्री एस पी सिंह
कोषाध्यक्ष
एवं समस्त समिति के सम्मानित कार्यकारिणी गण

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा. प्रो. दयानंद तिवारी
मुंबई प्रवक्ता
भारतीय जनता पार्टी
संचालक: तिवारीज सरस्वती क्लासेस, सायन
ब्रांच: तिवारीज सरस्वती क्लासेस, सांताक्रूज

मौलाना आजाद एकता फाउंडेशन की ओर से सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एड. यूसुफ अब्राहिमी	यूसुफ अन्सारी	मुजीबूर रहमान सिद्दीकी	सादिक खान
प्रमुख सलाहकार/ पूर्व विधायक	अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष

स्वतंत्रता दिवस के पर समस्त देशवासियों को हार्दिक अभिनंदन
श्री दुर्गामाता हिन्दी हायस्कूल

SADHANA JR. COLLEGE ARTS, SCIENCE & COMMERCE
SADHANA D.Ed. COLLEGE (Marathi), SADHANA B.Ed. COLLEGE
R.S. Mishra (Chairman)
B.A.B.Ed. & M.A. (IN Education/English)
सी.पी. तलाव, रोड नं. 28 नियर जी.आर. कम्पनी वागले स्टेट ठाणे, मो.-9819290001

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. किशोर सिंह
चेयरमैन
समरस फाउंडेशन
उपाध्यक्ष
मुंबई कांग्रेस

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती निम्मी निपुण दोशी
भाजपा नगर सेविका
वार्ड क्र. 23
वसई-विरार
महानगर पालिका
भा. ज. पा.

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Adv. Neelam Gupta
(B.A. LL.B.)
Advocate
High Court Mumbai egal Advisor
ए/202- यशवंत प्राइड, वसई कोर्ट, वसई गांव, वसई पश्चिम
वसई रोड, पालघर
Mob:- 8459416085

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती रंजू झां
सचिव
महाराष्ट्र प्रदेश
महिला मोर्चा
भारतीय जनता पार्टी मुंबई
भा. ज. पा.

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

'दिवाकर आर मिश्र
सचिव
श्री रामलीला उत्सव समिति
एवं वरिष्ठ समाजसेवी,
पार्कसाइट विक्रोली (वेस्ट) मुंबई-79

इक्विटी डेरिवेटिव्स में छोटे ट्रेडर्स को बड़ा झटका, 9.6 अरब डॉलर का नुकसान

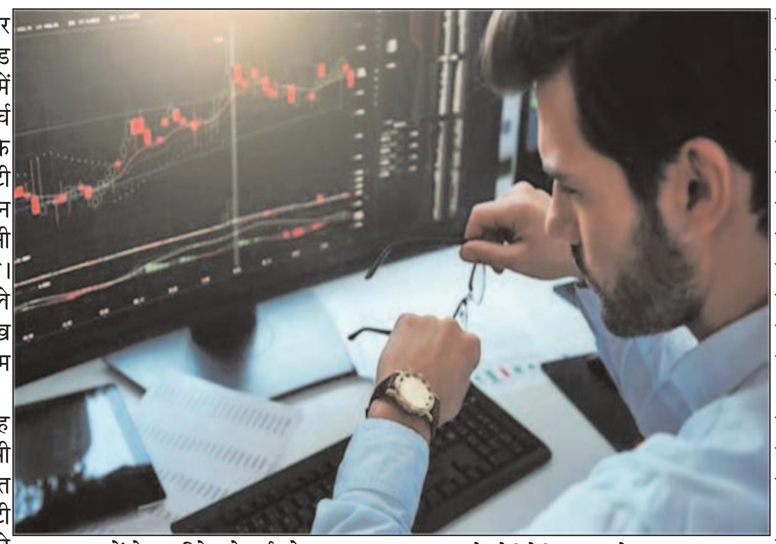

नई दिल्लीः भारत में छोटे और रिटेल ट्रेडर्स के लिए फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (F&O) कारोबार में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मार्च 2026 में समाप्त वित्त वर्ष के दौरान रिटेल निवेशकों का इक्विटी डेरिवेटिव्स में कुल नुकसान करीब 9.61 अरब डॉलर यानी 916.85 अरब रुपए रहा। हालांकि, यह नुकसान पिछले वित्त वर्ष के करीब 1.12 लाख करोड़ रुपए के नुकसान से कम है।

सरकार ने संसद में यह जानकारी दी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की लिखित जानकारी के मुताबिक, इक्विटी डेरिवेटिव्स में ट्रेड करने वाले निवेशकों की संख्या भी घटकर 80 लाख से कम रह गई, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा करीब 98 लाख था।

9 में से 10 रिटेल ट्रेडर्स को हुआ था नुकसान

रिटेल निवेशकों के लगातार नुकसान को देखते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने डेरिवेटिव्स कारोबार पर कई तरह की पाबंदियां लगाई हैं। रएइकके एक अध्ययन में पाया गया था कि हर 10 में से 9 रिटेल ट्रेडर्स को डेरिवेटिव्स में नुकसान हुआ। इसके बावजूद यह लगातार पांचवां साल रहा जब व्यक्तिगत निवेशकों को F&O कारोबार में नुकसान उठाना पड़ा। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि नियामकीय सख्ती के बावजूद रिटेल निवेशकों को जोखिम भरे डेरिवेटिव्स कारोबार से दूर रखना इतना मुश्किल क्यों है।

रिटेल भागीदारी और सट्टेबाजी पर लगाम लगाने के लिए रएइक ने डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट का आकार बढ़ाने, पोजिशन लिमिट कड़ी करने और कई अन्य सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले महीने प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स और स्टॉक ब्रोकरों के लिए फंडिंग से जुड़े नियम भी सख्त किए। इन कदमों का असर स्टॉक एक्सचेंजों की ट्रेडिंग गतिविधियों पर भी दिखाई दे रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर सूचीबद्ध फ्यूचर्स और ऑप्शंस का औसत दैनिक नॉशनल टर्नओवर जुलाई में जून की तुलना में 23 फीसदी घटकर 214 लाख करोड़ रुपए रह गया। यह करीब 17 महीनों का निचला स्तर है। दिलचस्प बात यह है कि सख्ती के बावजूद इक्विटी डेरिवेटिव्स में रिटेल निवेशकों का प्रभाव बढ़ा है। ठरए के आंकड़ों के अनुसार, इन कॉन्ट्रैक्ट्स में ट्रेडिंग का करीब 31 फीसदी हिस्सा व्यक्तिगत निवेशकों के पास है, जो पिछले साल 26 फीसदी था। F&O में कम रकम के जरिए शेयरों की कीमतों पर दांव लगाने का मौका मिलता है, जिससे यह सेगमेंट रिटेल निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। नियामकीय सख्ती और बढ़ती ट्रेडिंग लागत ने बड़े खिलाड़ियों की गतिविधियों को भी प्रभावित किया है। NSE पर प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स, जिनमें हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म भी शामिल हैं, की नॉशनल डेरिवेटिव्स टर्नओवर में हिस्सेदारी जून में घटकर 58.1 फीसदी रह गई, जबकि पिछले साल यह 60 फीसदी से अधिक थी। SEBI के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने मार्च में कहा था कि नियामक इक्विटी डेरिवेटिव्स में अत्यधिक सट्टेबाजी को नियंत्रित करने के लिए डेटा आधारित और संतुलित दृष्टिकोण अपनाएगा। फिलहाल उसका मुख्य फोकस कम अवधि वाले इंडेक्स ऑप्शंस पर है यानी नियमों की सख्ती से ट्रेडिंग गतिविधि जरूर कम हुई है लेकिन रिटेल निवेशकों का F&O के प्रति आकर्षण और उनका नुकसान अब भी बाजार नियामक के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

थोक मुद्रास्फीति जुलाई में मामूली घटकर 9.78 प्रतिशत

नई दिल्ली। ईंधन एवं बिजली तथा खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के बीच थोक मुद्रास्फीति जुलाई में मामूली घटकर 9.78 प्रतिशत रह गई, जबकि जून में यह 9.87 प्रतिशत थी। सरकार के नए आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के तहत पहली बार मुद्रास्फीति में मासिक आधार पर गिरावट दर्ज की गई है। पश्चिम एशिया में युद्ध और इसके कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल तथा उर्वरक की लागत बढ़ी, जिसका असर खाद्य कीमतों पर भी पड़ा। भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात इसी रास्ते से करता है। इससे चालू वित्त वर्ष 2026-27 की शुरूआत से थोक महंगाई लगातार बढ़ती रही। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को मासिक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े जारी करते हुए कहा, "जुलाई 2026 में खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं, खाद्य उत्पादों का विनिर्माण तथा रसायनों एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण थोक मुद्रास्फीति के प्रमुख कारक रहें।" ईंधन एवं बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 20.05 प्रतिशत हो गई जो जून में 27.41 प्रतिशत थी। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति भी जुलाई में घटकर 5.44 प्रतिशत रही जबकि जून में यह 5.49 प्रतिशत थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 8.29 प्रतिशत हो गई जो जून में 7.48 प्रतिशत थी। इस सप्ताह की शुरूआत में जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण भारत की खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 4.45 प्रतिशत हो गई जो जून में 4.38 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने इस महीने की शुरूआत में नीतिगत दरों को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा था। समिति ने अल नीनो की स्थिति के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर एवं असमान रहने का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत रखा था।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच शेयर बाजार में मिला-जुला रुख, सेंसेक्स 114 अंक चढ़ा, निफ्टी में गिरावट

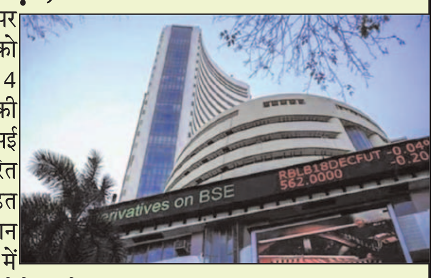

मुंबई। कच्चे तेल के दाम में तेजी और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को मिला-जुला रुख रहा। मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 114 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 40 अंक की गिरावट रही। कारोबार के अंतिम घंटे में हुई लिवाली से बीएसई सेंसेक्स बढ़त के साथ बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 113.61 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,079.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 78,119.39 अंक तक गया और नीचे में 77,665.89 अंक तक आया। इस तरह कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 453.5 अंक का उतार-चढ़ाव रहा। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 40.10 अंक यानी 0.16 प्रतिशत टूटकर 24,395.85 अंक पर बंद हुआ। यह निफ्टी में लगातार तीसरे दिन की गिरावट है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इटर्नल के शेयर लाभ में रहे। दूसरी ओर, नुकसान में रहने वाले शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और इन्फोसिस शामिल हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बाजार के लिए बड़ी चिंता बनी हुई हैं। पश्चिम एशिया में जारी अनिश्चितता के कारण निवेशकों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति सीमित बनी हुई है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.44 प्रतिशत टूटकर 87.70 डॉलर प्रति बैरल रहा। एचएसटी वेल्थ के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरिसेल्वन राधाकृष्णन ने कहा, "बाजार में मजबूती बनी हुई है, लेकिन उसे दिशा देने वाला कोई बड़ा संकेत नहीं मिल रहा है। अमेरिका की मौद्रिक नीति में नरमी की उम्मीद से वैश्विक निवेश माहौल बेहतर हुआ है, लेकिन कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक स्तर पर जोखिम घरेलू निवेशकों को सतर्क बनाए हुए हैं।" उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार को लेकर स्पष्टता आने तक भारतीय शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। कंपनियों के तिमाही नतीजे और शेयर विशेष से जुड़े घटनाक्रम बाजार की दिशा को प्रभावित करते रहेंगे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की लाभ में रहे, जबकि चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के ज्यादातर बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। वहीं, अमेरिकी बाजारों में बुधवार को अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,002.50 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे। इससे पहले, सेसेंक्स मंगलवार को 187.90 अंक टूटकर 77,966.35 अंक पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 35.75 अंक की गिरावट के साथ 24,435.95 अंक पर रहा था।

Sri Lank के खिलाफ शुभमन गिल की अगुआई में उतरेगी भारतीय टीम

भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार से गॉल में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने उतरचुकी है। जिसका नेतृत्व युवा कप्तान शुभमन गिल कर रहे हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में उतर रही टीम इंडिया के लिए यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की उम्मीदों को पटरी पर लाने और स्पिन पिचों पर अपना प्रदर्शन सुधारने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भारतीय बल्लेबाजों की शनिवार से यहां शुरू हो रही दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में स्पिन के खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी और इस श्रृंखला का नतीजा मुख्य कोच गौतम गंभीर की देश के लाल गेंद क्रिकेट के प्रभारी के तौर पर भूमिका के लिए काफी अहम होगा। गंभीर के कार्यकाल में भारत सफेद गेंद (सीमित ओवरों का क्रिकेट) के क्रिकेट में लगभग अजेय टीम रहा है जिसका अंदाजा चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 विश्व कप में उसके खिताबी अभियान से लगाया जा सकता है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तस्वीर काफी निराशाजनक है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप ने भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। लगातार मिली इन नाकामियों और इसके बाद सहयोगी स्टाफ के दो सहायक कोच तथा एक क्षेत्ररक्षण कोच के जाने से गंभीर और टीम के लिए तत्काल नई ऊर्जा के संचार की जरूरत महसूस होने लगी है। इसका यह मतलब नहीं है कि अगर श्रीलंका में भारत जीत हासिल नहीं कर पाता है तो गंभीर को तुरंत हटा दिया जाएगा लेकिन लाल गेंद के क्रिकेट में आगे की रणनीति को लेकर सत्ता के गलियारों में निश्चित रूप से चर्चा तेज होगी।

हालांकि गॉल में खोई प्रतिष्ठा वापस हासिल करना किसी भी मेहमान टीम के लिए आसान काम नहीं है। अक्सर यहां पहुंचकर सपने टूटते रहे हैं। अगर यह बात महज अतिशयोक्ति लगे तो आंकड़े पर्याप्त हैं।

श्रीलंका ने 1998 से यहां खेले गए 49 टेस्ट में से 27 में जीत दर्ज की है। उसकी इस बादशाहत में चतुर स्पिनरों की बड़ी भूमिका रही है। मुथैया मुरलीधरन और रंगना हेराथ के स्वर्णिम दौर से श्रीलंका काफी आगे निकल चुका है लेकिन उसके पास अब भी प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस जैसे स्पिनर हैं, जिन्होंने गॉल को अपना किला बना रखा है।

यह स्थिति मौजूदा भारतीय टीम के लिए अनुकूल नहीं है जिसके बल्लेबाज हाल के समय में मिचेल सैंटनर और साइमन हार्मर जैसे स्पिनरों के खिलाफ बुरी तरह संघर्ष करते नजर आए हैं। हालांकि, मौजूदा टीम में उस भारतीय टीम की झलक दिखती है जो 2017 में पिछली बार टेस्ट श्रृंखला खेलने श्रीलंका आई थी। विराट कोहली की अगुआई वाली उस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी थे जो अपने करियर के मध्य चरण में थे।

भारत ने उस दौरे पर 3-0 से श्रृंखला जीती थी जिसमें गॉल में मिली जीत भी शामिल थी। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के दबदबे का दौर शुरू हुआ था। मौजूदा टीम भी युवा कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में करियर के मध्य चरण में पहुंच चुके अनुभवी खिलाड़ियों और अपनी जगह पक्की करने को बेताब युवा खिलाड़ियों से भरी है।

उसे भी ऐसी ही एक चिंगारी की जरूरत है जो शीर्ष पर वापसी के उसके सफर को गति दे सके। लेकिन इसके लिए भारत को स्पिन के इस जाल से निकलने के साथ-साथ कुछ खिलाड़ियों के खराब व्यक्तिगत दौर से बाहर निकलने की उम्मीद भी करनी होगी। खासकर ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल के लिए यह अहम समय है।

जुरेल को सरफराज खान पर तरजीह मिल सकती है। इन दोनों का हालिया प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। मध्यक्रम के इन दोनों बल्लेबाजों के बल्ले से निकलने वाले रन और श्रीलंकाई स्पिनरों के खिलाफ उनका प्रदर्शन इस टेस्ट में बेहद महत्वपूर्ण होगा। भारत को शीर्ष तीन बल्लेबाजों लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल और देवदत्त पडिक्कल से भी बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। हालांकि गिल टीम की बल्लेबाजी के केंद्र में होंगे। पडिक्कल के पास साई सुदर्शन के पैर की अंगुली की चोट से वापसी करने पर भी नंबर तीन की जगह के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का सुनहरा मौका है।

भारतीय गेंदबाजों के लिए भी श्रीलंकाई पिचों पर अपनी लय हासिल करना उतना ही महत्वपूर्ण होगा। मेहमान टीम के यहां बाएं हाथ के तीन स्पिनरों कुलदीप यादव, मानव सुथार और रविंद्र जडेजा के साथ उतरने की उम्मीद है और इन सभी को सही लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करनी होगी। गॉल की पिच के बेहद मुश्किल होने की उम्मीद नहीं है।

मैच आगे बढ़ने के साथ इसमें स्वाभाविक टूट-फूट आने की संभावना है। ऐसे में गेंदबाजों के लिए अपनी क्षमता पर भरोसा रखते हुए सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करना महत्वपूर्ण होगा। यहां स्पिनर गेंदबाजी का अधिकांश भार संभालेंगे लेकिन मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और उनके साथ संभावित रूप से खेलने वाले प्रसिद्ध कृष्णा को अपने छोर को नियंत्रण में रखना होगा और जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण सफलताएं दिलानी होंगी। वहीं श्रीलंका की कोशिश लंबे समय तक लाल गेंद के क्रिकेट से दूर रहने की कमी को पूरा करते हुए भारत को कड़ी चुनौती देने की होगी। मेजबान टीम ने जून-जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने से पहले करीब एक साल तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला था। कप्तान धनंजय डिसिल्वा को कैरेबियाई टीम से कहीं मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ अपने खिलाड़ियों को एकजुट रखना होगा। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में अपना कुछ रुतबा गंवा चुका भारत भी कई मुश्किलों से जूझ रहा है और वह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इन परेशानियों से बाहर निकलने की उम्मीद करेगा। मुश्किल दौर से गुजर रही दो टीमों के बीच मुकाबले ने अक्सर यादगार क्रिकेट को जन्म दिया है और इस श्रृंखल में भी ऐसा देखने को मिल सकता है।

मिला 34 प्रतिशत का प्रीमियम

मुंबई। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो गए, जिससे कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,243.83 करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके 251.88 करोड़ रुपये के आईपीओ को अंतिम दिन 38.69 गुना अभिदान मिला था। इश्यू से मिली राशि में से 150 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करेगी।

क्रेडिट कार्ड से किराया भरते हैं...तो इन 5 गलतियों से बचें

नई दिल्लीः अगर आप किराए के घर में रहते हैं और हर महीने क्रेडिट कार्ड से रेंट का भुगतान करते हैं, तो इसके कुछ वित्तीय जोखिम भी हैं। प्रोसेसिंग फीस से लेकर क्रेडिट यूटिलाइजेशन और बिल भुगतान में देरी तक, छोटी-सी गलती लंबे समय में आपकी जेब और क्रेडिट प्रोफाइल दोनों पर असर डाल सकती है। क्रेडिट कार्ड से किराए का भुगतान करने पर कुछ प्लेटफॉर्म या कार्ड नेटवर्क अतिरिक्त प्रोसेसिंग अथवा कन्वीनियंस फीस ले सकते हैं। अगर किसी ट्रांजैक्शन पर 2 फीसदी शुल्क लगता है और मासिक किराया 30,000 है, तो हर महीने 600 अतिरिक्त देने पड़ सकते हैं। साल भर में यह रकम 7,200 तक पहुंच सकती है। इसलिए किराया भरने से पहले यह देखना जरूरी है कि फीस कितनी है और कार्ड से मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स या अन्य लाभ उस अतिरिक्त लागत की भरपाई करते हैं या नहीं। किराए का भुगतान भी क्रेडिट कार्ड की उपलब्ध लिमिट का हिस्सा इस्तेमाल करता है। उदाहरण के लिए, अगर कार्ड की लिमिट 1 लाख है और आप 40,000 का किराया कार्ड से चुकाते हैं, तो कुल लिमिट का 40 फीसदी इस्तेमाल हो जाता है। क्रेडिट कार्ड बिल पर दिखने वाला मिनिमम अमाउंट भले ही कम लगे लेकिन बाकी बकाया रकम पर ब्याज लग सकता है। अगर किराए का भुगतान करने के बाद पूरा क्रेडिट कार्ड बिल समय पर नहीं चुकाया जाता, तो ब्याज और अन्य शुल्क के कारण किराए की वास्तविक लागत बढ़ सकती है। इसलिए जहां संभव हो, हर महीने पूरा क्रेडिट कार्ड बिल ड्यू डेट से पहले चुकाना बेहतर है।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों का हार्दिक अभिनंदन
कल्लु गुप्ता (पत्रकार)
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)
घाटकोपर

जया फाउंडेशन
वर्ली मुंबई-400018
द्वारा
स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
कोषाध्यक्ष सुनील कुमार शुक्ला, सदस्य श्रीमती नंदा वर्मा, विमला पवार, रेशमा पाण्डेय, कमलेश मिश्रा, सरस्वती बहेती
अध्यक्षाः श्रीमती जया छेड़ा सचिवः सुमन अनिरुद्ध त्रिपाठी

निर्मला फाउण्डेशन
की तरफ से
समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गणतंत्र दिवस
महासविच
डॉ. अमर बहादुर पटेल
कार्याध्यक्ष
चंद्रवीर बंशीधर यादव
अध्यक्ष
शशिकला पटेल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
जियालाल प्रजापति
प्रभारी
विधानसभा जफराबाद
आजाद समाज पार्टी
(कांशीराम)

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गणतंत्र दिवस हार्दिक शुभकामनाएं
प्रेम जोशी
पत्रकार/समाजसेवी
ESHVIK JOSHI
गालानगर, नालासोपारा ईस्ट, पालघर

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रमेश प्रजापति
व्यवसाई/समाजसेवी
संध्या इंटरप्राइजेज
दिवा, ठाणे, महाराष्ट्र

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों का हार्दिक अभिनंदन
रमेश प्रजापति
उप संपादक
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
कैलाश चंद्रधारी यादव
(राष्ट्रीय प्रवक्ता)
उत्तर यादव युवा संघ
कार्यालयः साई पूजा चाळ नं. 1, रूम नं.1, आर.के.टी. स्कूल जवळ, कैलाश नगर कल्याण (पूर्व)

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. सचिन सिंह
अध्यक्ष
युवा बिग्रेड एसोसिएशन
गैर सरकारी संगठन
मो.- 9869195065

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
अनिल यादव
पत्रकार
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक, मुंबई

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
राजकुमार अग्रहरि
पत्रकार
माटुंगा, मुंबई

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
गणतंत्र दिवस
केविन नाईक (पत्रकार)
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक) गुजरात

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. सचिन सिंह
अध्यक्ष
युवा बिग्रेड एसोसिएशन
गैर सरकारी संगठन
मो.- 9869195065

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 40
शनिवार, 15 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-3
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राहुल गांधी के विदेश नीति वाले बयान पर भड़के राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 14 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के विदेश नीति वाले बयान पर सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल के बयान पर कड़ी नाराजगी जताई है और कहा है कि उनकी टिप्पणी बेहद ओछी और निंदनीय है।

राजनाथ ने कहा कि गांधी उपनाम वाले किसी व्यक्ति द्वारा ऐसी शर्मनाक टिप्पणी की जा सकती है, इसकी कल्पना भी करना कठिन है। उन्होंने कहा कि राहुल ने केवल पीएम का ही नहीं, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का भी अपमान किया है। दरअसल 13 अगस्त को राहुल गांधी कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में रचनात्मक कांग्रेस प्रकोष्ठ अधिवेशन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि उन्हें लगता है कि गले लगाना ही विदेश नीति है। इसके बाद राहुल ने पास खड़े संदीप दीक्षित को लगे लगाया।

जब राहुल अपनी बात कहने के लिए आगे बढ़े तो संदीप दीक्षित ने तुरंत कहा कि मेलोनी समझकर तो गले नहीं लगाया था ना। इस पर वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगे। राहुल ने कहा कि गले लगाने वाली बात उनके दिमाग में किसने डाली, कहां से आई, पता नहीं। राजनाथ सिंह ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि भारत की विदेश नीति के बारे में की गई टिप्पणियां न केवल बेहद निचले स्तर की और निंदनीय हैं, बल्कि मुझे व्यक्तिगत रूप से भी बहुत दुख पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा, 'अपने लंबे राजनीतिक करियर में, मैंने

विपक्ष के किसी नेता का ऐसा अभद्र व्यवहार कभी नहीं देखा - चाहे वह सुषमा स्वराज, अरुण जेटली, अटल बिहारी वाजपेयी या एलके आडवाणी रहे हों, या अटल जी की सरकार के दौरान डॉ. मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी। ऐसा व्यवहार कल्पना से परे था। मेरा मानना है कि ऐसा व्यवहार भारत में स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खतरे का गंभीर संकेत है।' राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति राहुल गांधी जी की चाहे जो भी निराशा हो, ऐसी अभद्र टिप्पणी करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है, खासकर ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ी है और विकसित भारत की राह प्रशस्त हुई है।

भयानक हादसे का शिकार हुए बीजेपी सांसद, चलती कार पर गिरा बोल्डर, गाड़ी के उड़े परखच्चे

टिहरी। उत्तराखंड में टिहरी गढवाल के विष्णुगाड़-पीपलकोटी टनल हादसे के पीड़ितों से मिलने जा रहे गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी की कार शुक्रवार को तोताघाटी के समीप हादसे का शिकार हो गई। अचानक पहाड़ी से गिरे बोल्डर की चपेट में आने से कार की छत क्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात यह है कि कार में सवार सांसद बलूनी समेत अन्य लोग बाल-बाल बच गए। घटना में किसी के घायल होने की रिपोर्ट नहीं है। बताया गया कि सांसद अनिल बलूनी विष्णुगाड़-पीपलकोटी में हुए टनल हादसे के पीड़ितों का हाल जानने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान तोताघाटी के निकट अचानक पहाड़ी से एक बड़ा बोल्डर उनकी कार पर आ गिरा।

बोल्डर के कार पर गिरने से वाहन को नुकसान पहुंचा, लेकिन गनीमत रही कि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे। घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार को श्रीनगर लाया गया, जहां उसकी मरम्मत कराई गई।

भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझें, मिलेगा मुंहतोड़ जवाब, ऑपरेशन सिंदूर पर बोले अजीत डोभाल

नई दिल्ली, 14 अगस्त। 7 मई, 2025 को पाकिस्तान के खिलाफ भारत के मिलिट्री ऑपरेशन के बाद, नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल ने पहली बार 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की है। डोभाल ने डिस्कवरी चैनल की आने वाली डॉक्यू-सीरीज 'डिक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर' में इस ऑपरेशन, इसके मकसद और भारत जो संदेश देना चाहता था, उस पर अपनी राय रखी है। इस डॉक्यूमेंट्री में भारत के सीनियर मिलिट्री और नेशनल सिक्योरिटी लीडरशिप के प्रत्यक्ष अनुभव शामिल हैं और इसमें 88 घंटे की जवाबी कार्रवाई पर डोभाल का एक खास इंटरव्यू भी दिखाया गया है।

डिस्कवरी की आने वाली वृत्तचित्र श्रृंखला डीक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर में डोभाल ने कहा कि 88 घंटे चले इस सैन्य अभियान का मकसद दुश्मन के शिविरों को नष्ट करना था, खासकर उन ठिकानों को जो पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपने पहले साक्षात्कार में डोभाल ने कहा, हमने ऑपरेशन का मकसद दुश्मन के शिविरों को नष्ट करना तय कर लिया था, खासकर उनको जो पहलगाम हमले के लिए ज़िम्मेदार थे। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए संदेश बहुत साफ है। भारत की उदारता या सहनशीलता को उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। भारत जोखिम उठा सकता है, भारत कड़ा प्रहार कर सकता है, चाहे नतीजे कुछ भी हों।

डिस्कवरी ने एक बयान में कहा कि दो भाग वाली यह श्रृंखला भारत के सैन्य और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े नेतृत्व को एक साथ लाती है ताकि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े फैसलों और घटनाओं को बताया जा सके। इसमें उन लोगों के सीधे अनुभव शामिल हैं जिन्होंने भारत की जवाबी कार्रवाई की देखरेख की थी। इसमें कहा गया है कि शो में डोभाल सैन्य जवाबी कार्रवाई के पीछे लिए गए फैसलों और दृढ़ संकल्प के बारे में बताते हैं।

आखिर कैसे ईरान ने यूक्रेन युद्ध से मिली सीख का इस्तेमाल अमेरिकी एयर डिफेंस के खिलाफ किया?

ईरान, 14 अगस्त। जॉर्डन में तीन अमेरिकी सैनिकों की जान लेने वाले ईरानी हमलों से पता चलता है कि तेहरान ने अपनी युद्ध की रणनीति में कितनी तेजी से बदलाव किए हैं, जबकि पेंटागन ने बड़ी संख्या में अपने मिसाइल इंटरसेप्टर का इस्तेमाल किया है। रूस अक्सर यूक्रेनी एयर डिफेंस को भ्रमित करने के लिए बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ ड्रोन का इस्तेमाल करता रहा है। किसी एक तरह के हथियार पर निर्भर रहने के बजाय ईरान भी इसी तरीके को अपना रहा है। अब वह ड्रोन और कई तरह की मिसाइलों का एक साथ इस्तेमाल कर रहा है।

पांच दिनों तक ईरान ने जॉर्डन में तीन अमेरिकी ठिकानों पर बार-बार ड्रोन और मिसाइलों की बौछार की। इसका मकसद वॉशिंगटन के एयर-डिफेंस सिस्टम पर दबाव डालना और अमेरिकी सेना को अपनी पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर करना था।

ईरान ने ऐसी मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया जो अचानक अपनी दिशा बदल सकती थीं, जिससे अमेरिका के लिए उन्हें मार गिराना मुश्किल हो गया। शुरूआती चार दिनों तक, अमेरिकी एयर डिफेंस ज्यादातर हथियारों को रोकने में कामयाब रहा। 17 जुलाई को, एक ईरानी मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भेदकर अमेरिकी ठिकाने पर बने अस्थायी आवास से टकरा गई। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को बताया, हमने लगभग सभी मिसाइलों को मार गिराया। एक मिसाइल बचकर निकल गई।

इस हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा घायल हो गए।

विपक्ष 'लोकतंत्र का मजाक' उड़ा रहा है, उसने संसद नहीं चलने दीः शिवराज चौहान

नई दिल्ली, 14 अगस्त। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने संसद नहीं चलने दी और वह लोकतंत्र का मजाक बना रहा है। चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों चंडीगढ़ और दादरा और नगर हवेली में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 'सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी' (सीबीडीसी) पर आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) को शुरू करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी, पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया समेत कई लोग मौजूद थे।

अपने संबोधन के दौरान चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है कि पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि संसद किसानों और गरीबों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और बहस के लिए है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए चौहान ने कहा, लेकिन वे इसे चलने नहीं देंगे। जब हमने उनकी एक मांग मान ली, तो उन्होंने दूसरी मांग रख दी और फिर एक और मांग ले आए। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि ये लोग लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा, संविधान को कलंकित करने का पाप कर रहे हैं। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया।

यह विरोध परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मुद्दों पर किया गया। चौहान ने विपक्ष के नेता गांधी की भी आलोचना की, जिन्होंने दिल्ली में 'रचनात्मक कांग्रेस राष्ट्रीय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए विदेश नीति को संभालने के प्रधानमंत्री मोदी के तरीके का मजाक उड़ाया था; उनका दावा था कि यह नीति सिर्फ नेताओं को गले लगाने तक ही सीमित है।

उन्होंने गांधी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर भी आपत्ति जताई। चौहान ने कहा कि विदेश नीति पर चर्चा के दौरान गांधी ने जिस तरह अपनी पार्टी के नेता को गले लगाया और फिर उस नेता ने एक स्वतंत्र और संप्रभु देश की महिला प्रधानमंत्री के लिए अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। चौहान ने कहा कि यह दुनिया भर की माताओं और बहनों का अपमान है। इससे पहले, बृहस्पतिवार शाम यहां पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जोशी ने भी गांधी पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को लगता है कि वह ₹राज करने के लिए ही पैदा हुए हैं और आरोप लगाया कि उनकी हताशा साफ दिख रही थी। गांधी के व्यवहार से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए जोशी ने कहा, राहुल गांधी में निराशा और मायूसी साफ तौर पर देखी जा सकती है। वह पूरी तरह से हताश हो चुके हैं।

सरकार दिल्ली को भारत की सबसे गतिशील शहरी अर्थव्यवस्था बनाने का प्रयास कर रहीः रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 14 अगस्त। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी को देश की सबसे गतिशील शहरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयास कर रही है। यहां भारत मंडपम में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव में गुप्ता ने कहा कि देश तेजी से बढ़ रहा है और दिल्ली को भी इसके विकास इंजन के रूप में गति बनाए रखने की जरूरत है।

उन्होंने विकसित भारत के दृष्टिकोण के लिए मजबूत आधार के रूप में व्यापार और व्यवसाय पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत को पहले एक उपभोक्ता आधारित अर्थव्यवस्था माना जाता था, लेकिन इसे अब एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र और एक विश्वसनीय वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के रूप में पहचाना जाता है। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन और 2014

के बाद लागू किए गए नीतिगत बदलाव इस परिवर्तन का आधार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों के विस्तारित नेटवर्क ने घरेलू व्यवसायों और उद्योगपतियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि अब केवल आर्थिक विकास के बजाय डिजिटल माध्यम से आर्थिक बदलाव की बात हो रही है। गुप्ता ने कहा कि 2014 से पहले, देश में सिर्फ 100 स्टार्ट-अप थे और यह संख्या अब 2.5 लाख से अधिक हो गई है।

ओडिशा में फिर बाढ़ का कहर, 5 जिले प्रभावित, 3 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

ओडिशा, 14 अगस्त। दो दिनों से हो रही भारी बारिश के बाद ओडिशा के कम से कम पांच जिले फिर बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इसके मद्देनजर प्रशासन ने निचले इलाकों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है और राहत केंद्र खोले हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बालासोर,

मयूरभंज, भद्रक, जाजपुर और क्योंझर जिले फिर से बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) राजेश प्रवाकर पाटिल ने बताया कि बालासोर, मयूरभंज, भद्रक और जाजपुर जिलों की 45 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को निकालकर राहत केंद्रों में पहुंचाया जा रहा है, जहां उन्हें पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलका और बुधबलंग नदियों का जलस्तर बढ़ने से बालासोर शहर, बस्ता और भोगराई इलाके में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई है। प्रभावित लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

पाटिल ने कहा कि बालासोर जिला प्रशासन को सतर्क कर दिया गया है क्योंकि सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा था। उन्होंने कहा, बालासोर, मयूरभंज, जाजपुर और भद्रक जिलों में बचाव कार्य के लिए ओडिशा आपदा मोचन बल (ओडीआरएएफ) की 10 और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की सात टीमों सहित कम से कम 17 बचाव दल तैनात किए गए हैं। इसके अलावा अग्निशमन कर्मियों को भी राहत एवं बचाव कार्यों में लगाया गया है।₹ एक अन्य अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश के कारण बैतरणी नदी का जलस्तर बढ़ने से क्योंझर जिले में भी बाढ़ की स्थिति बन गई है। उन्होंने

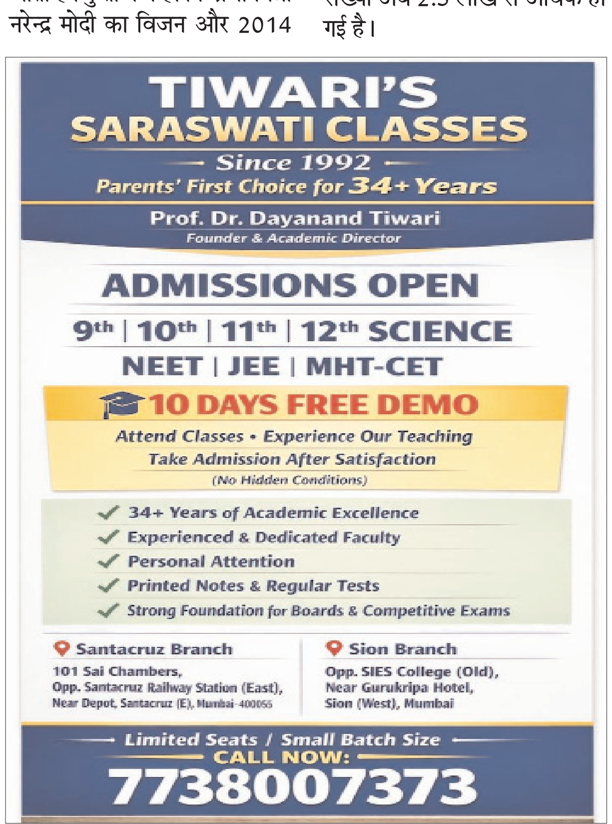

बदलता भारत, बनता भारत

हम जिस भारत के रूप में उभरे हैं, और जिस भारत की हम अभी भी तलाश कर रहे हैं

-प्रियंका सौरभ

प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस हमें अपने राष्ट्र के अतीत पर चिंतन करने और भविष्य पर विचार करने का अवसर देता है। स्वतंत्रता के पिछले 80 वर्षों में भारत में आए कुछ परिवर्तनों को याद करने का यह मेरा एक प्रयास है। यह परिवर्तन केवल हमारी अर्थव्यवस्था, शहरों या प्रौद्योगिकी में ही नहीं, बल्कि आम भारतीयों की आकांक्षाओं, आत्मविश्वास और दृष्टिकोण में भी देखा गया है। आज का भारत 1947 में औपनिवेशिक शासन से मुक्त हुए भारत से बहुत अलग है। आर्थिक दृष्टि से सबसे बड़ा अंतर यही है। स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती दशकों में संसाधनों की कमी थी, अवसर सीमित थे और विशाल जनसंख्या की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना एक चुनौती थी। भारत आज विश्व की महान आर्थिक शक्तियों में से एक है; आधुनिक उद्योग, विकसित होता बुनियादी ढांचा और उद्यमशीलता की नई भावना, महत्वाकांक्षी युवा पीढ़ी। सड़कों, हवाई अड्डों, मेट्रो, डिजिटल नेटवर्क और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण स्थान और लोग एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। एक युवा ऑनलाइन पढ़ाई कर सकता है, किसी दूसरे शहर की कंपनी में काम कर सकता है और यहां तक कि पूरे देश में लोगों को सेवा प्रदान करने वाला व्यवसाय भी चला सकता है। पिछली पीढ़ियों के लिए ऐसी संभावनाओं की कल्पना करना भी मुश्किल रहा होगा। शायद इस बदलाव में प्रौद्योगिकी का सबसे बड़ा योगदान है। मोबाइल फोन अब सिर्फ संचार का साधन नहीं रह गया है। यह एक बैंक, कक्षा, बाजार, कार्यालय और सूचना का स्रोत बन गया है। ऑनलाइन भुगतान ने हमारे दैनिक जीवन में क्रांति ला दी है और अनेक सार्वजनिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। प्रौद्योगिकी ने भारत को सूचना और अवसरों के मामले में कई मायनों में अधिक जुड़ा हुआ और अधिक लोकतांत्रिक बनाया है। लेकिन प्रगति का सच्चा सूचक प्रौद्योगिकी नहीं है, बल्कि यह है कि प्रौद्योगिकी आम आदमी के जीवन को कैसे प्रभावित करती है।

भारतीयों और उनके राष्ट्र के आत्मविश्वास में अद्भुत परिवर्तन आया है। कुछ पीढ़ियों पहले, पश्चिम के प्रति प्रशंसा और कभी-कभी हीनता की भावना प्रचलित थी। आज, हमारे युवा खुद को विश्व के सर्वश्रेष्ठ लोगों के बराबर मानते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्यमशीलता, पेशेवर क्षेत्र, कला एवं खेल के क्षेत्र में भारतीय नागरिक विदेशों में अपनी पहचान बना रहे हैं। साथ ही, भारत की संस्कृति, भाषाओं, परंपराओं और इतिहास का पुनरुद्धार हो रहा है। आधुनिकता और जड़ों से जुड़ाव की अवधारणा अब विरोधाभासी नहीं रह गई है। प्रगति के बावजूद, हमारी समस्याएं कम नहीं हुई हैं। हमारे पास विश्व स्तरीय हवाई अड्डे और डिजिटल बुनियादी ढांचा है, लेकिन कुछ समुदाय अभी भी स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमारे पास बेहतरीन व्यवसाय और कुशल कर्मचारी हैं, फिर भी लाखों युवा स्थिर और लाभकारी रोजगार की तलाश में हैं। शहरों के विकास के साथ-साथ, कई शहर प्रदूषण, भीड़भाड़ और खराब शहरी नियोजन से जूझ रहे हैं। आर्थिक विकास ने अपार अवसर पैदा किए हैं, लेकिन सभी नागरिकों को इसका समान लाभ नहीं मिल रहा है।

संतुलित आलोचना का महत्व यहीं पर है। अपने देश की कमियों से अवगत हुए बिना उसे प्रेम करना संभव नहीं है। वास्तव में, सच्ची देशभक्ति हमें उन चीजों को स्वीकार करने का साहस देती है जिन्हें बदलने की आवश्यकता है। एक सशक्त लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को सहन किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित केवल आर्थिक विकास, सैन्य शक्ति और अंतरराष्ट्रीय शक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें सामाजिक सद्भाव, सुदृढ़ संस्थाएं, समान अवसर, सभी नागरिकों के लिए गरिमा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास भी शामिल होना चाहिए। यदि देश का कोई भविष्य है, तो उसे कठिन प्रश्नों को स्वीकार करने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास होना चाहिए। हमारे लिए भी भारत की यह अवधारणा अनूठी है। भारत केवल आधुनिक युग की एक राजनीतिक इकाई नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों के इतिहास, विभिन्न परंपराओं, भाषाओं, दर्शनों और सांस्कृतिक प्रभावों से परिपूर्ण एक सभ्यता है। विविधता को स्वीकार करना और एकरूपता की मांग न करना हमेशा से इसका गुण रहा है। हमारे सामने चुनौती यह है कि हम इस सभ्यतागत स्वरूप को बनाए रखें और साथ ही तेजी से बदलती दुनिया की संभावनाओं को भी स्वीकार करें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत प्रौद्योगिकियों और सांस्कृतिक जड़ों के बीच संतुलन होना चाहिए। आधुनिक शहर बनने चाहिए, लेकिन उनमें सामुदायिक भावना भी होनी चाहिए। हमें विश्व के साथ अधिक एकीकृत होने की आवश्यकता है, लेकिन अपनी संस्कृति को लेकर असुरक्षित नहीं होना चाहिए। एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि उसने लोकतंत्र को कायम रखा और विकसित किया। अब तक, विभिन्न भाषाओं, धर्मों, भौगोलिक पृष्ठभूमि, समुदायों और आर्थिक स्थिति वाले लोगों से भरा यह विविध राष्ट्र संवैधानिक ढांचे के भीतर अपने मतभेदों को सुलझाने में सक्षम रहा है। हालांकि यह लोकतंत्र अभी पूर्ण नहीं है, फिर भी असहमति एक ताकत हो सकती है। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि लोग अभी भी अपने समाज के भविष्य पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे मतभेद विभाजन में न बदलें और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भारत की अवधारणा को कमजोर न करे। हमारी यात्रा का अगला कदम प्रभावशाली आंकड़ों और दिखाई देने वाले बुनियादी ढांचे से परे सोचने की आवश्यकता को दशार्ता है। भविष्य के भारत का मूल्यांकन शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण की गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा। युवाओं को अवसर प्रदान करना, अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, सार्वजनिक संस्थानों की गुणवत्ता को सुदृढ़ करना और समावेशी विकास को बढ़ावा देना आवश्यक है। यदि सभी युवा भारतीयों को सीखने, काम करने और योगदान देने के समान अवसर मिलें, तो जनसांख्यिकीय लाभांश हमारे लिए वरदान साबित होगा। भारत के 80वें वर्ष को देखते हुए, मुझे एक ऐसा देश नजर आता है जिसने लंबा सफर तय किया है। हम एक नवस्वतंत्र देश से, जहाँ गरीबी और अभाव एक समस्या थी, एक ऐसे देश के रूप में उभरे हैं जिसके पास महत्वपूर्ण आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक क्षमताएँ हैं। लेकिन यह सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। अगली चुनौती न केवल अधिक समृद्ध और शक्तिशाली बनना है, बल्कि अधिक न्यायसंगत, अधिक एकजुट और अधिक आत्मविश्वासी बनना भी है। हमें अपने पूर्वजों से राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। हमारा कर्तव्य है कि हम आने वाली पीढ़ी को अधिक अवसर और अपनेपन की भावना प्रदान करें। हमें एक ऐसा भारत बनाना है जो समृद्ध हो लेकिन उदासीन न हो, शक्तिशाली हो लेकिन अहंकारी न हो, आधुनिक हो लेकिन अपनी जड़ों को न खोए और विविधतापूर्ण हो लेकिन विभाजित न हो। इसलिए, 80वां स्वतंत्रता दिवस हमारी प्रगति का उत्सव होने के साथ-साथ इस बात का स्मरण भी दिलाना चाहिए कि हमें अभी लंबा सफर तय करना है। जो भारत हमें प्राप्त हुआ है, वह पीढ़ियों के बलिदान और प्रयासों का फल है। जो भारत हम पीछे छोड़ेंगे, वही हमारे योगदान का मापदंड होगा।

स्वतंत्रता की चौखट पर विभाजन की टीस और एक अखंड भविष्य का मार्ग

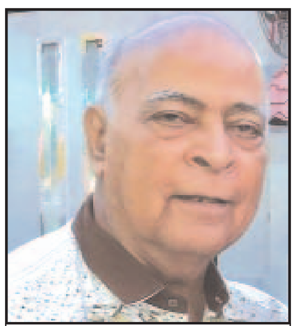

अशोक भाटिया

भारत के इतिहास में 15 अगस्त का दिन जहाँ एक तरफ विदेशी दासता की सदियों पुरानी बेड़ियों को काटने और एक संप्रभु, लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभरने के असीम गौरव का प्रतीक है, वहीं इसके ठीक एक दिन पहले का दिन यानी 14 अगस्त, हमारे सामूहिक इतिहास के सबसे गहरे, अमिट और रक्तरंजित जख्म का स्मरण कराता है। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जब पूरा राष्ट्र उत्सव और उमंग की तैयारियों में डूबा है, तब देश के प्रधानमंत्री द्वारा विभाजन के दर्द को फिर से याद करना महज एक औपचारिक राजनीतिक वक्तव्य नहीं है। यह एक राष्ट्र के रूप में हमारे आत्मनिरीक्षण, ऐतिहासिक भूलों से सीख और राष्ट्रीय अखंडता को अक्षुण्ण रखने के संकल्प का सामूहिक आह्वान है। यह समय आजादी के उल्लास को मनाने के साथ-साथ उस कीमत को भी याद करने का है जो इस देश के लाखों बेगुनाह नागरिकों ने अपनी जान और आशियाने गंवाकर चुकाई थी।

साल 1947 का अगस्त महीना भारतीय उपमहाद्वीप के लिए एक ऐसा अभूतपूर्व विरोधाभास लेकर आया था, जिसकी मिसाल आधुनिक विश्व इतिहास में कहीं और नहीं मिलती। एक तरफ सदियों के लंबे संघर्ष, अनगिनत क्रांतियों, अनूठे आंदोलनों और स्वतंत्रता सेनानियों के अप्रतिम तप के बाद देश में स्वाधीनता की नई सुबह अंगड़ाई ले रही थी, तो दूसरी तरफ राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासकों की 'बांटो और राज करो' की कुटिल नीति ने देश के भूगोल पर एक ऐसी लकीर खींच दी, जिसने जमीन से ज्यादा इंसानी दिलों को बेरहमी से काट दिया। 1947 का वह विभाजन केवल दो नए देशों की राजनीतिक सीमाओं का निर्धारण नहीं था, बल्कि यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे दर्दनाक और सबसे अराजक विस्थापन था। रातों-रात करोड़ों लोग अपनी ही उस जन्मभूमि पर पराये और बेघर हो गए जहाँ उनकी पीढ़ियों की यादें दफन थीं। जिन गलियों और आबो-हवा में उन्होंने बचपन बिताया था, उन्हें एक झटके में छोड़कर सिर्फ अपनी जान बचाने के लिए अनजानी और असुरक्षित मंजिलों की ओर भागना पड़ा।

ऐतिहासिक और प्रशासनिक आंकड़े बताते हैं कि इस मानवीय त्रासदी के दौरान लगभग दो करोड़ लोगों को अपनी जड़ों से उखड़ना पड़ा और लाखों-लाख निर्दोष नागरिकों को सांप्रदायिक नफरत की वेदी पर अपनी जान गंवानी पड़ी। वह एक ऐसा भयावह दौर था जब ट्रेनें लाशों से भरकर आ रही थीं, जलते हुए घर इंसानी बस्तियों के खाक होने की गवाही दे रहे थे और नफरत की आग में पूरा पंजाब, बंगाल और देश के कई हिस्से सुलग रहे थे। यह वह ऐतिहासिक सत्य और दर्द है जिसे शब्दों के किसी भी जाल में पूरी तरह समेटना असंभव है। प्रधानमंत्री ने इसी विभीषिका को याद कर देश की सोई हुई चेतना को झकझोरा है ताकि हम आजादी की इस खुली हवा की असली कीमत को कभी कम न आंकें।

इसी ऐतिहासिक घाव को सम्मान देने और उससे सीख लेने के लिए साल 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी। शुरूआती दौर में कुछ राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इस बात पर बहस भी हुई कि आजादी के महान जश्न के ठीक एक दिन पहले इतने कड़वे और दर्दनाक इतिहास को खंगालने की क्या आवश्यकता है? क्या इससे पुरानी नफरत और दूरियां फिर से हरी नहीं हो जाएंगी? लेकिन जैसे-जैसे समय बीता, इस दिवस के पीछे छुपा गहरा राष्ट्रीय दर्शन और इसकी प्रासंगिकता समाज के सामने पूरी तरह स्पष्ट हो गई। किसी भी जीवंत और दूरदर्शी राष्ट्र के लिए अपने इतिहास के केवल गौरवशाली, विजयी और चमकीले पन्नों को याद रखना ही काफी नहीं होता; बल्कि उसे अपने इतिहास के सबसे अंधकारमय, क्रूर और असहज करने वाले अध्यायों का सामना करने का साहस भी दिखाना पड़ता है। जो राष्ट्र अपने अतीत के घावों को छिपाता है, वह भविष्य में उनके दोबारा हरा होने का जोखिम उठाता है।

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

इस स्मृति दिवस को मनाने के पीछे मुख्य रूप से तीन गहरे राष्ट्रीय उद्देश्य छिपे हैं। पहला उद्देश्य उन लाखों बेगुनाह और गुमनाम नागरिकों के प्रति एक राष्ट्र के रूप में सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना है, जिन्हें इतिहास की इस सबसे बड़ी भूल की वजह से असमय मौत के मुंह में जाना पड़ा। दशकों तक देश ने आजादी के बड़े-बड़े समारोह तो मनाए, लेकिन विभाजन की हिंसा में मारे गए उन साधारण परिवारों को वह राष्ट्रीय सम्मान और जगह नहीं मिल सकी जिसके वे हकदार थे। दूसरा उद्देश्य उस मानवीय जज्बे और अदम्य साहस को सलाम करना है, जो उन शरणार्थियों ने दिखाया जो अपना सब कुछ पाकिस्तान में छोड़कर खाली हाथ भारत आए थे। उन्होंने तमाम विपरीत परिस्थितियों, गरीबी और शिविरों के अपमानजनक दौर के बावजूद हार नहीं मानी। उन्होंने शून्य से अपने जीवन की शुरूआत की, अपनी मेहनत और लगन से न केवल खुद को पैरों पर खड़ा किया बल्कि आज के आधुनिक भारत के नवनिर्माण में भी एक मजबूत रीढ़ की हड्डी बनकर उभरे। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य हमारी आने वाली नई पीढ़ी के लिए एक निरंतर चेतावनी के रूप में कार्य करना है, जो उन्हें यह याद दिलाता रहे कि जब नफरत, कट्टरता और सामाजिक विभाजन चरम पर पहुंचते हैं, तो उसका अंत कितना भयानक और विनाशकारी होता है। यह एक ऐसी सीख है जो हमें वर्तमान में वैसी गलतियाँ करने से रोकती है।

इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपनी बात में जिस सबसे महत्वपूर्ण बिंदु पर जोर दिया, वह है समाज से सामाजिक विभाजन और नफरत के जहर को पूरी तरह खत्म करना, तथा देश के भीतर एकता, भाईचारे और आपसी सद्भाव को मजबूत करना। आज जब भारत अपनी आजादी के 80वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और वैश्विक पटल पर एक बड़ी आर्थिक तथा रणनीतिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, तब हमारी आंतरिक सुरक्षा और हमारा सामाजिक ताना-बाना ही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। विश्व का इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी राष्ट्र के भीतर धर्म, जाति, क्षेत्र या भाषा के नाम पर दरारें पैदा हुई हैं, तब-तब बाहरी ताकतों ने उसका फायदा उठाकर उस देश को कमजोर किया है। 1947 का विभाजन भी हमारी इसी आंतरिक फूट, आपसी अविश्वास और ब्रिटिश हुक्मरानों की गहरी साजिश का संयुक्त परिणाम था।

आज के आधुनिक संदर्भ में विभाजन के इस दर्द को याद करने का मतलब यह कतई नहीं है कि हम अतीत के प्रतिशोध या कड़वाहट में जिएं, बल्कि इसका वास्तविक अर्थ यह है कि हम वर्तमान में सक्रिय उन ताकतों और प्रवृत्तियों को पहचानें जो हमारे समाज को फिर से बांटने का प्रयास कर रही हैं। चाहे वह सोशल मीडिया पर फैलने वाली फेक न्यूज और नफरत हो, या फिर राजनीतिक लाभ के लिए किया जाने वाला ध्रुवीकरण, भारत को इन सभी संकीर्णताओं से ऊपर उठना होगा। विभिन्नताओं, विविध संस्कृतियों और अनेक भाषाओं से भरे इस विशाल देश में 'विविधता में एकता' केवल किताबों में लिखा जाने वाला कोई मुहावरा नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व की अनिवार्य शर्त है। यदि हम आंतरिक रूप से बंटे रहेंगे, तो हम कभी भी एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण नहीं कर पाएंगे।

80वें स्वतंत्रता दिवस के इस ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण पड़ाव पर जब हम खड़े हैं, तो विभाजन की यह टीस हमें एक मजबूत, पूरी तरह आत्मनिर्भर और सुरक्षित भारत बनाने की प्रेरणा देती है। यह हमें याद दिलाती है कि एक ऐसा भारत बनाना कितना जरूरी है जो अपनी सीमाओं की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हो, ताकि भविष्य में कभी भी किसी भी बाहरी या आंतरिक दुश्मन में देश के टुकड़े करने या इसकी संप्रभुता को चुनौती देने का दुस्साहस न हो। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना तभी जमीन पर साकार हो सकती है जब कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कामरूप तक रहने वाला हर नागरिक खुद को किसी भी अन्य संकीर्ण पहचान से पहले एक सच्चा भारतीय माने। यह दर्द हमें सिखाता है कि जब राष्ट्रीय हित और देश की सुरक्षा को गौण कर दिया जाता है और व्यक्तिगत या दलीय हित हावी हो जाते हैं, तो राष्ट्र को उसकी बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ती है।

अंततः, विभाजन के दर्द का छलकना इस बात का जीवंत प्रमाण है कि सात दशक से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी हमारी राष्ट्रीय चेतना पर वह जख्म पूरी तरह भरा नहीं है, और न ही इसे भुलाया जाना चाहिए। लेकिन इस ऐतिहासिक स्मृति का उपयोग समाज में नफरत या प्रतिशोध की भावना को बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, करुणा, सहिष्णुता और सच्चे राष्ट्रवाद की भावना को सींचने के लिए किया जाना चाहिए। आजादी के 80वें वर्ष में प्रवेश करते हुए भारत के पास दुनिया को शांति और प्रगति की राह दिखाने का एक अनूठा और ऐतिहासिक अवसर है। हमें एक ऐसे समरस समाज का निर्माण करना है जहाँ किसी भी नागरिक को भयभीत न होना पड़े, जहाँ न्याय, बंधुत्व और समानता के संवैधानिक सिद्धांत सर्वोपरि हों। विभाजन की विभीषिका में अपनी जान गंवाने वाली उन लाखों पवित्र आत्माओं के प्रति हमारी सच्ची और वास्तविक श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सब मिलकर एक ऐसा अखंड, समृद्ध, वैज्ञानिक सोच से लैस और समरस भारत बनाएं जो आने वाली सदियों तक पूरी मानवता को शांति और सह-अस्तित्व का संदेश देता रहे।

काशी के मौन आचार्य शचीन्द्रनाथ सान्याल : जिन्होंने ब्रिटानिया हुकूमत की जड़ें उखाड़ दीं...

-सुरेश गांधी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, उसमें कुछ नाम तलवार की चमक की तरह दिखाई देंगे और कुछ नाम दीपशिखा की तरह, जो स्वयं जलकर अनगिनत दीपों को प्रकाश देती रही। शचीन्द्रनाथ सान्याल ऐसा ही नाम हैं—एक ऐसा क्रांतिकारी, जिसकी आवाज मंचों पर कम सुनाई दी, पर जिसकी विचारधारा ने हजारों युवाओं के भीतर स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित की। वे केवल एक व्यक्ति नहीं थे; वे एक परंपरा थे, एक अनुशासन थे, एक वैचारिक विद्यालय थे। उन्हें यूँ ही ह्लक्रांतिकारियों का गुरुह्व नहीं कहा गया। वाराणसी की सांस्कृतिक मिट्टी में जन्मे सान्याल ने गंगा के प्रवाह की तरह अपने भीतर राष्ट्रप्रेम की अविरल धारा बहाई। काशी की गलियों में वेदों, पुराणों और दर्शन की गूंज थी, पर उसी काशी ने एक ऐसे युवक को भी जन्म दिया जिसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण समर्पित कर दिया। यह संयोग नहीं था कि आगे चलकर काशी उत्तर भारत के क्रांतिकारी आंदोलन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनी; उसके पीछे शचीन्द्रनाथ सान्याल जैसे व्यक्तित्व की तपस्या थी।

किशोर मन में जागी स्वतंत्रता की ज्वाला

सान्याल के भीतर विद्रोह अचानक नहीं फूटा। बंगाल के क्रांतिकारी आंदोलन, स्वदेशी आंदोलन की लहर और ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला। युवा अवस्था में ही उन्होंने समझ लिया था कि पराधीनता केवल राजनीतिक स्थिति नहीं, बल्कि आत्मा की कैद है। इसी अनुभूति ने उन्हें क्रांतिकारी मार्ग की ओर अग्रसर किया। वे संगठन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उनके लिए क्रांति केवल भावनाओं का विस्फोट नहीं थी; वह विचार, अनुशासन और संगठन का समन्वय थी। यही कारण है कि उन्होंने युवाओं को केवल हथियार चलाना नहीं सिखाया, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण का अर्थ भी समझाया।

काशीः जहां से गढ़ी गई क्रांति की पाठशाला

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में वाराणसी क्रांतिकारियों का गुप्त आश्रय बन चुका था। छात्रावासों, पुस्तकालयों और साधारण घरों में बैठकर स्वतंत्र भारत के स्वप्न बुने जाते थे। सान्याल इन गतिविधियों के केंद्र में थे। वे युवाओं से लंबी चर्चा करते, उन्हें इतिहास पढ़ाते, राष्ट्रवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि समझाते और त्याग के लिए तैयार करते। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे युवाओं को अंधा अनुयायी नहीं बनाते थे। वे प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करते थे। उनके लिए क्रांति का अर्थ था—जागृत चेतना। यही कारण है कि उनके संपर्क में आने वाले युवक आगे चलकर स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में उभरे।

हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशनः स्वप्न से संगठन तक

सन 1924 में जब हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (लफ्ज्ञ) की स्थापना हुई, तब उसके वैचारिक निर्माण में शचीन्द्रनाथ सान्याल की भूमिका निर्णायक थी। रामप्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी और अन्य साथियों के साथ उन्होंने एक ऐसे संगठन की कल्पना की जो ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दे सके। लफ्ज्ञ का घोषणापत्र केवल राजनीतिक दस्तावेज नहीं था; वह एक नए भारत की रूपरेखा था। उसमें लोकतांत्रिक गणराज्य, समानता और राष्ट्रीय स्वाभिमान की स्पष्ट प्रतिध्वनि सुनाई देती है। उस दस्तावेज की वैचारिक गहराई सान्याल की बौद्धिक क्षमता का प्रमाण है।

जिन शिष्यों ने इतिहास बदल दिया

भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन के जिन नामों को देश श्रद्धा से स्मरण करता है, उनमें अनेक पर सान्याल का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। रामप्रसाद बिस्मिल के भीतर राष्ट्रभक्ति की जो

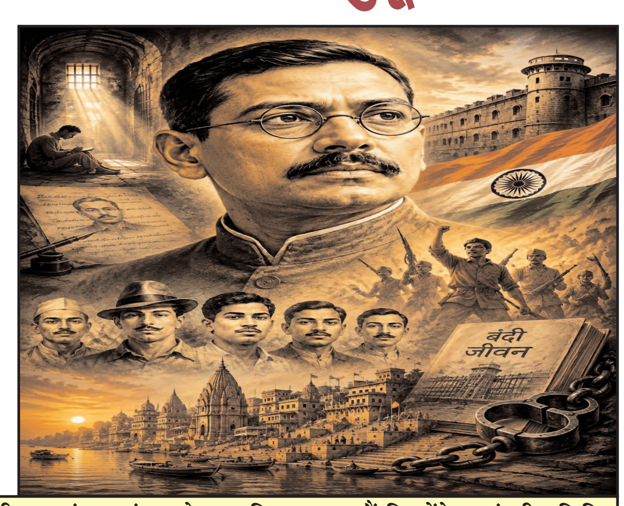

शचीन्द्रनाथ सान्याल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उस विरल नक्षत्र हैं जिन्होंने स्वयं की प्रसिद्धि की चिंता किए बिना राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने का कार्य किया। यदि भगत सिंह क्रांति की ज्वाला थे, चंद्रशेखर आजाद उसका साहस थे और रामप्रसाद बिस्मिल उसका गीत थे, तो शचीन्द्रनाथ सान्याल उसका मौन ऋषि थे—वह गुरु, जिसने विचार की मशाल थामकर पीढ़ियों को विद्रोह की दीक्षा दी। आज, स्वतंत्रता दिवस के निकट, जब तिरंगा हमारे घरों और हृदयों पर लहराता है, तब काशी के इस महान क्रांतिकारी को स्मरण करना केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कृतज्ञता का उत्सव है...

प्रखरता थी, उसे वैचारिक दिशा देने वालों में सान्याल अग्रणी थे।

चंद्रशेखर आजाद ने उनसे संगठन, गोपनीयता और अनुशासन सीखा।

भगत सिंह ने सान्याल के लेखन से गहरी प्रेरणा प्राप्त की। भगत सिंह की वैचारिक परिपक्वता के निर्माण में जिन स्रोतों का योगदान था, उनमें सान्याल की पुस्तक ह्लबंदी जीवनह्व का विशेष स्थान माना जाता है। इस अर्थ में सान्याल केवल समकालीन क्रांतिकारी नहीं थे; वे उस पीढ़ी के निमार्ता थे जिसने आगे चलकर ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के साहित्य में ह्लबंदी जीवनह्व का स्थान अद्वितीय है। यह केवल आत्मकथा नहीं, बल्कि एक क्रांतिकारी की आत्मा की आवाज है। अंडमान की सेल्युलर जेल की अमानवीय यातनाओं के बीच लिखा गया यह ग्रंथ बताता है कि मनुष्य का शरीर कैद किया जा सकता है, विचार नहीं। इस पुस्तक में पीड़ा है, पर निराशा नहीं, यातना है, पर आत्मसमर्पण नहीं; अकेलापन है, पर राष्ट्र के प्रति अटूट आस्था भी है। उस दौर के असंख्य युवाओं ने इसे पढ़कर क्रांति का अर्थ समझा। अनेक छात्र इसे छिपाकर पढ़ते थे और फिर अपने मित्रों को देते थे। यह पुस्तक एक पीढ़ी के लिए वैचारिक दीक्षा-पाठ बन गई।

काला पानी की कालिमा और अदम्य आत्मबल

ब्रिटिश सरकार ने उन्हें कई बार गिरफ्तार किया और अंततः आजीवन कारावास देकर अंडमान भेज दिया। सेल्युलर जेल उस समय भारतीय क्रांतिकारियों के लिए जीवित मृत्यु का प्रतीक थी। कठोर श्रम, एकांतवास, अपमान और अस्वस्थ परिस्थितियों के बीच भी सान्याल नहीं टूटे। वे जेल में भी अध्ययन करते रहे, लिखते रहे और साथी बंदियों का मनोबल बढ़ाते रहे। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी शक्ति यही थी कि वे विपत्ति में भी आशा का दीप जलाए रखते थे।

गांधी युग में एक अलग राह

जब देश में महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग और सत्याग्रह की लहर उठ रही थी, तब सान्याल सशस्त्र क्रांति की आवश्यकता पर विश्वास करते रहे। किंतु यह समझना आवश्यक है कि उनका मतभेद राष्ट्रहित से प्रेरित था, न कि व्यक्तिगत विरोध से। वे मानते थे कि विदेशी शासन नैतिक अपील से नहीं, बल्कि संगठित प्रतिरोध से हटेगा। फिर भी उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन की व्यापकता को समझा और विभिन्न धाराओं के योगदान का सम्मान किया। यही उनकी वैचारिक परिपक्वता थी।

क्रांति का दर्शनः केवल सत्ता परिवर्तन नहीं

सान्याल की दृष्टि में स्वतंत्रता केवल अंग्रेजों की विदाई नहीं थी। वे ऐसे भारत का स्वप्न देखते थे जहां नागरिक सम्मानपूर्वक जी सके, जहां शोषण न हो, जहां राष्ट्र का स्वाभिमान सर्वोपरि हो। उनकी क्रांति सामाजिक चेतना से जुड़ी हुई थी। वे चरित्र, अनुशासन और नैतिक साहस को राजनीतिक स्वतंत्रता जितना ही महत्वपूर्ण मानते थे। आज जब सार्वजनिक जीवन में मूल्यों की चर्चा होती है, तब सान्याल का जीवन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों से नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों से होता है।

काशी की स्मृति में जीवित एक महानायक

वाराणसी की अनेक ऐतिहासिक इमारतें, गलियां और छात्रावास आज भी उस दौर की मौन स्मृतियां संजोए हुए हैं। दुर्भाग्य यह है कि शचीन्द्रनाथ सान्याल का नाम जनस्मृति में उतना व्यापक नहीं हो पाया जितना होना चाहिए था। उनके योगदान पर गंभीर शोध, संग्रहालय, अभिलेखागार और शैक्षणिक विमर्श की आवश्यकता है। काशी यदि अपने इस महान सपूत को नई पीढ़ी से परिचित कराए, तो वह केवल इतिहास का सम्मान नहीं होगा, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण भी होगा।

आज के भारत के लिए उनका संदेश

आज का भारत स्वतंत्र है, पर स्वतंत्रता की रक्षा का दायित्व निरंतर बना रहता है। सान्याल का जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्रप्रेम नारे से नहीं, उत्तरदायित्व से प्रकट होता है; कि विचारहीन उत्साह क्षणिक होता है, पर वैचारिक प्रतिबद्धता इतिहास रचती है; कि युवा शक्ति तब परिवर्तनकारी बनती है जब उसके भीतर अनुशासन और उद्देश्य दोनों हों। वे हमें यह भी बताते हैं कि महान परिवर्तन अक्सर मौन तपस्वियों की साधना से जन्म लेते हैं। इतिहास के प्रकाशस्तंभ केवल वे नहीं होते जो सामने दिखाई दें; कई बार वे भी होते हैं जो परदे के पीछे खड़े होकर पीढ़ियों को दिशा देते हैं।

महिलाओं का उत्सव है तीज

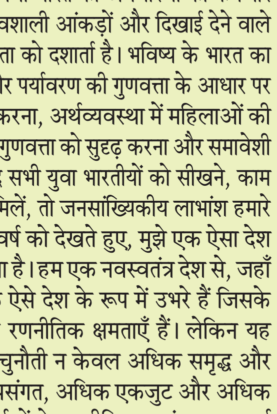

-रमेश सर्राफ धमोरा

तीज का उत्सव श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। यह महिलाओं का उत्सव है। सावन में जब सम्पूर्ण प्रकृति हरी ओढ़नी से आच्छादित होती है उस अवसर पर महिलाओं के मन मयूर नृत्य करने लगते हैं। वृक्ष की शाखाओं में झूले पड़ जाते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसे कजली तीज के रूप में मनाते हैं। सुहागन स्त्रियों के लिए यह व्रत बहुत महत्व रखता है। आस्था, उमंग, सौंदर्य और प्रेम का यह उत्सव शिव-पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। चारों ओर हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं। इस अवसर पर महिलाएं झूला झूलती हैं, लोकगीत गाती हैं और आनन्द मनाती हैं। सौंदर्य, प्रेम के उत्सव और आस्था के इस व्रत का महिलाओं के लिए बड़ा महत्व है, विशेष रूप से नव विवाहिताओं के लिए। यह त्योहार मुख्य रूप से उत्तर भारत (राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर पदेश, बिहार और झारखंड) में धूमधाम से मनाया जाता है। परंपरा के अनुसार नवविवाहिताएं पहला व्रत मायके में रखती हैं और इसके लिए झूले सजाए जाते हैं, लोक गीत गाए जाते हैं। देश के कई हिस्सों में मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी निकाली जाती है।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

श्रावण मास का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

श्रावण में में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

तीज पर मेहंदी लगाने, चूड़ियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था।

सुप्रिम कोर्ट का आदेश, भिवंडी मनपा को कचरा ठेकेदार को देना पडेगा 15 करोड़

भिवंडी। भिवंडी शहर में घनकचरा प्रबंधन का ठेका लेने वाली अँथनी वेस्ट हैंडलिंग सेल प्रा. लि. को करीब 15 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने भिवंडी मनपा को दिया है। यह राशि तीन महीने में चुकानी होगी। देरी होने पर समझौते की तारीख से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।

वर्ष 2005 में कंपनी को घर-घर कचरा संकलन, परिवहन और निपटारे का ठेका दिया गया था। काम असंतोषजनक होने की शिकायतों के बाद 21 फरवरी 2009 को महासभा ने ठेका रद्द कर दिया। इसके बाद कंपनी ने बकाया भुगतान और मशीनरी-वाहनों के खर्च को लेकर न्यायालयात धाव घेतली। 18 फरवरी 2020 को स्थायी समिति ने करीब 15 करोड़ रुपये के भुगतानास मंजुरी दी। तत्कालीन आयुक्तांनी या निर्णयाला उच्च न्यायालयात आव्हान दिले; मात्र उच्च न्यायालयाने समझौते के अनुसार भुगतान के निर्देश दिए। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। 5 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय का फैसला बरकरार रखते हुए महानगरपालिका को तीन महीने में भुगतान करने का आदेश दिया। इससे पहले से आर्थिक दबाव झेल रही महानगरपालिका पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा।

केसीएन क्लब द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर व स्वास्थ्य मार्गदर्शन शिविर आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत श्री शानतेश्वरी दुर्गा माता मंदिर अवधनगर में नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब केसीएन क्लब की महाराष्ट्र कमेटी की तरफ से 12 अगस्त 2026 को महाराष्ट्र प्रदेश मार्गदर्शक व वरिष्ठ समाजसेवी एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग के अध्यक्ष पंडित दयाराम मिश्र के 73वें जन्मदिन पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा फीता काटकर कैम्प की शुरूआत की गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थित नागरिक संरक्षण दल के उप नियंत्रक काशीनाथ आर कुरकुटे, नरेश अनंत म्हस्के, नीलेश वझे, अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय संरक्षक एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी, विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी एस पी सिंह, डॉ रविन्द्र मिश्र, बजरंग दल विहिप के सहमंत्री चन्दन सिंह, महिला शाखा की महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव जयंती महतो आदि के द्वारा फीता काटकर नारियल तोड़कर शिविर की शुरूआत की गई, बाद में कार्यक्रम के मुख्यातिथि, महाराष्ट्र प्रदेश मार्गदर्शक पंडित दयाराम मिश्र नागरिक संरक्षण दल के उप नियंत्रक काशीनाथ आर कुरकुटे, नरेश अनंत म्हस्के, नीलेश वझे, सहित टीम द्वारा दीप प्रज्वलित कर भारत माता का पूजन कर स्वदेशी परिवेश में तिलक लगाकर लड्डू खिलाकर उनका सामूहिक जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में कारगिल विजय दिवस पर सिविल डिफेंस पालघर द्वारा किये गये सहयोग हेतु नागरिक संरक्षण दल के उप नियंत्रक काशीनाथ आर कुरकुटे, नरेश अनंत म्हस्के, नीलेश वझे, डॉ रविन्द्र मिश्र , पत्रकार अजीत सिंह सहित 26 से अधिक सिविल डिफेंस के वॉलेंटियर को सम्मान पत्र सम्मान चिन्ह अंगवस्त्र पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में कोंकड मण्डल पदाधिकारी बैजनाथ महतो ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट इंचार्ज के सी एन क्लब वरिष्ठ पदाधिकारी व शिक्षक लक्ष्मीकांत मिश्र, व कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर डॉ रविन्द्र मिश्र रहे, कार्यक्रम में जय गुरुदेव संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी अशोक शर्मा, सहित मेडिकल टीम के इलेक्ट्रो होम्योपैथ चिकित्सक डॉ मनीष कुमार श्रीवास्तव, आयुर्वेद रत्न बीएचएमएस डॉ नीरज कुमार मौर्य, एक्यूपंक्चर चिकित्सक प्रकृतिक चिकित्सक डॉ शिवशंकर गुप्ता, शेड के प्रोजेक्ट मैनेजर रविन्द्र वझे, राजेंद्र संखे, रश्मि संखे, जयेश पाटील , सुरेश चौरे, डाटा मैनेजर निकिता पाटील, पालघर जिला हॉस्पिटल के लैब टेक्नीशियन अशोक ठाकरे, नेत्र चिकित्सक सदानन्द अगवने, नितिन गावड़े , दीपक चौहान शेरा जिम के संचालक आदि मेडिकल जांच टीम सहित शैलेंद्र मिश्र, सुरेन्द्र तिवारी, अशोक कोरड़ा, मोहन सिंनलकर, अक्षय काम्बले, वैदिक क्लासेज के प्रबंधक नितिन चौधरी, युवा समाजसेवी उज्वल मिश्र, अध्यापिका अंजुलता गुप्ता, पत्रकार अजीत सिंह, खत्री जी, प्रिन्स पाल, आनन्द गौतम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

PRIF स्कॉलरशिप से बदला 2,500 से अधिक युवाओं का भविष्य

मुंबई। पर्नोड रिकार्ड इंडिया फाउंडेशन (PRIF) ने यूथ ड्रीमर्स फाउंडेशन (YDF) के साथ मिलकर वंचित समुदायों के युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। 2019 में शुरू हुए 'PRIF स्कॉलरशिप सपोर्ट प्रोग्राम' के तहत महाराष्ट्र, पंजाब और राजस्थान में 2,576 स्कॉलर्स को सहयोग दिया गया है। इस पहल के जरिए अब तक 6.91 करोड़ रुपये की प्रत्यक्ष स्कॉलरशिप बांटी गई है, जबकि सरकारी व निजी योजनाओं के माध्यम से अतिरिक्त 4.77 करोड़ रुपये तक पहुंच सुनिश्चित की गई है–जिससे कुल 11.68 करोड़ रुपये की शैक्षिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। केवल आर्थिक मदद देने तक सीमित न रहकर यह कार्यक्रम युवाओं को पढ़ाई से लेकर करियर बनाने तक का पूरा मार्गदर्शन देता है। इसके तहत मेंटरशिप, करियर गाइडेंस और रोजगार के लिए जरूरी ट्रेनिंग दी जाती है। डिजिटल युग की जरूरतों को पूरा करने के लिए PRIF ने डिजिटल लर्निंग एंड रिसोर्स सेंटर्स (DLRCs) स्थापित किए हैं, जो स्थानीय स्तर पर डिजिटल एक्सेस, मेंटरिंग और करियर रेडीनेस के हब के रूप में काम कर रहे हैं। इन केंद्रों में 250 से अधिक लर्निंग घंटे, 105 से अधिक सेशन्स और 18,000 से अधिक विज़िट्स दर्ज की गई हैं। पहल पर अपने विचार साझा करते हुए पर्नोड रिकार्ड इंडिया फाउंडेशन के प्रवक्ता ने कहा, हमारी थीम अलग संदर्भ, साझा आकांक्षाएं इस सच्चाई को दर्शाती है कि युवा चाहे किसी भी पृष्ठभूमि से आएं, बेहतर भविष्य के लिए उनकी आकांक्षाएं एक समान होती हैं। PRIF में हमारा उद्देश्य सिर्फ शिक्षा तक पहुंच बनाना नहीं, बल्कि एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना है।

अमर शहीद बाल वीर रामचन्द्र विद्यार्थी प्रजापति का 84वां शहीद दिवस मनाया

नवीन पनवेल, नवी मुंबई, (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल (रजि.) राष्ट्रीय सामाजिक संस्था (एनजीओ) के तत्वावधान में अमर शहीद बाल वीर रामचन्द्र विद्यार्थी प्रजापति जी के 84वें शहीद दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं समाज बंधुओं ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीद को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर सादर नमन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित महानुभावों ने शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी प्रजापति जी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके अदम्य साहस, राष्ट्रप्रेम और बलिदान को याद करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए मात्र 13 वर्ष की अल्पायु में दिया गया उनका बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

उल्लेखनीय है कि अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी प्रजापति जी का जन्म 1 अप्रैल 1929 को उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के नौतन हतियागढ़ गांव में श्री बाबूलाल प्रजापति जी के परिवार में हुआ था। वे उस समय मात्र सातवीं कक्षा के विद्यार्थी थे, लेकिन उनके मन में देश की स्वतंत्रता और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम की भावना प्रबल थी।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी जी के आह्वान से प्रेरित होकर उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। 14 अगस्त 1942 को उन्होंने अपने साथियों के साथ देवरिया कचहरी पर तिरंगा फहराकर अंग्रेजी हुकूमत को खुली चुनौती दी। इस साहसिक कदम से क्रोधित अंग्रेजी शासन ने उन पर गोली चला दी, जिसमें वे मात्र 13 वर्ष की आयु में मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए वीरगति को प्राप्त हुए।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि इतनी कम उम्र में राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले बाल वीर रामचन्द्र विद्यार्थी प्रजापति का त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढ़ियों को देशप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देती रहेगी। उनके बलिदान को केवल स्मरण करना ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर चंद्र प्रताप प्रजापति- राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रजापति समाज विकास मंडल (रजि.) राष्ट्रीय सामाजिक संस्था (एनजीओ), श्रीमती पूनम प्रजापति, अध्यक्षा, पनवेल महानगरपालिका; गोवर्धन प्रजापति, अध्यक्ष, पनवेल शहर; श्रीमती अमिता चौहान, रायगढ़ जिला प्रवक्ता, शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन; राकेश कुमार प्रजापति, एग्जीक्यूटिव मेंबर; रामेश्वर प्रजापति, एग्जीक्यूटिव मेंबर; अजय प्रजापति, शुभम प्रजापति, अमन, गौरव, त्रिभुवन प्रजापति, राजन, राहुल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने अमर शहीद बाल वीर रामचन्द्र विद्यार्थी प्रजापति जी के बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्र एवं समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। अमर शहीद बाल वीर रामचन्द्र विद्यार्थी प्रजापति जी को कोटि-कोटि नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

ASDD सूची में नाम वाले मतदाता 17 अगस्त से पहले EF फॉर्म जमा करें : जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत पालघर जिले में मतदान केंद्रों के युक्तिसंगतीकरण के साथ ही ASDD (Absent, Shifted, Dead, Duplicate) मतदाताओं के सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने अपील की है कि ASDD सूची में नाम दर्ज होने के बावजूद यदि कोई मतदाता वास्तव में उसी स्थान पर रह रहा है, तो वह 17 अगस्त 2026 से पहले संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) के पास आवश्यक EF फॉर्म और दस्तावेज जमा करें। जिलाधिकारी कार्यालय में डॉ. इंदु रानी जाखड़ की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्षों एवं अधिकृत प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदान केंद्रों के युक्तिसंगतीकरण तथा रक्फ़ अभियान के तहत चल रही कार्रवाई की विस्तृत जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई। विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान BLO द्वारा अपने क्षेत्र में ऐसे मतदाताओं का सत्यापन किया गया, जो अनुपस्थित (Absent), स्थानांतरित (Shifted), मृत (Dead) अथवा दोहरे (Duplicate) पाये गये।

विद्यार्थियों के पोषण आहार में नहीं आयेगी रुकावट

- सेस फंड से पालघर जिला परिषद की तात्कालिक मदद
- 2.22 लाख विद्यार्थियों को नियमित मिलेगा भोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 शुरू होने के बाद स्कूलों में मध्याह्न भोजन यानी प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के लिए चावल एवं अन्य अनाज की आपूर्ति में उत्पन्न हुई समस्या का पालघर

जिला परिषद ने तत्काल समाधान किया है। विद्यार्थियों के पोषण आहार में किसी प्रकार का व्यवधान न आये, इसके लिए जिला परिषद ने सेस फंड से अस्थायी अनाज भंडार उपलब्ध कराया है। इससे जिले के 2 लाख 22 हजार 309 विद्यार्थियों को नियमित रूप से पोषण आहार मिल रहा है। स्कूल खुलने के बाद अनाज आपूर्ति में संभावित परेशानी को देखते हुए जिला परिषद के शिक्षा विभाग ने स्थिति की तत्काल समीक्षा की। विभिन्न पंचायत समितियों से अनाज आपूर्ति को लेकर प्राप्त निवेदनों के बाद मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में सेस फंड से अस्थायी अनाज उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत पालघर जिले की 2,375 स्कूलों के कुल 2 लाख 22 हजार 309 विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। इनमें कक्षा पहली से पांचवीं तक के 1 लाख 38 हजार 675, जबकि कक्षा छठी से आठवीं तक के 83 हजार 634 विद्यार्थी शामिल हैं। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना, ड्रॉपआउट रोकना तथा उन्हें अध्ययन के लिए अनुकूल एवं पोषणयुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है। अनाज आपूर्ति की समस्या को देखते हुए वाडा, जव्हार और मोखाडा पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाली स्कूलों को तत्काल चावल एवं अन्य खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। इससे संबंधित स्कूलों में विद्यार्थियों को नियमित रूप से पोषण आहार उपलब्ध कराना संभव हो सका। इस बीच शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए नया करारनामा भी किया गया है और नियमित अनाज आपूर्ति के लिए संबंधित आपूर्तिकर्ता को आदेश जारी कर दिए गये हैं। जिला परिषद के प्राथमिक शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमित आपूर्ति शुरू होने से जिले में स्कूल पोषण आहार योजना सुचारू रूप से जारी रहेगी और विद्यार्थियों के भोजन में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आने दी जायेगी।

स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भारत छोड़ो आंदोलन में शहीद हुए पांच स्वतंत्रता सेनानियों का किया गया पुण्यस्मरण

पालघर(उत्तरशक्ति)। ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ वर्ष 1942 में हुए भारत छोड़ो आंदोलन में पालघर तहसील के पांच स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। इन वीर शहीदों के पुण्यस्मरण एवं उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए शुक्रवार 14 अगस्त 2026 को पालघर शहर स्थित शहीद स्तंभ पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शहीद चौक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित सभी मान्यवरों ने शहीद स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित कर स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को नमन किया। इस अवसर पर पालघर शहर की सभी बाजारपेठें भी बंद रखी गईं। ज्ञात हो कि 1942 के स्वतंत्रता संग्राम में इसी दिन पालघर जिले के काशिनाथ हरी पागधरे (सातपाटी), गोविंद गणेश ठाकूर (नांदगांव), रामप्रसाद भीमाशंकर तिवारी (पालघर), सकूर गोविंद मोरे (सालवड) और रामचंद्र महादेव चूरी (मुरबे) शहीद हुए थे। देश की आजादी के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उपस्थित लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक राजेंद्र गावित, पालघर नगराध्यक्ष उत्तम घरत, जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शहीदों के परिजन, नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जल संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जायेगा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुधाकरराव नाईक का जन्मदिवस

- पालघर में 15 अगस्त से जल संरक्षण सप्ताह
- 21 अगस्त को वॉक फॉर वॉटर

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुधाकरराव नाईक के जल संरक्षण क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान की स्मृति में उनके जन्मदिवस 21 अगस्त को जल संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जायेगा। इसके उपलक्ष्य में पालघर जिले में 15 से 21 अगस्त तक जल संरक्षण सप्ताह तथा 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक जल संरक्षण अभियान चलाया जायेगा।

जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से अभियान के दौरान पानी रोको, पानी जमीन में उतारो का संदेश नागरिकों तक पहुंचाया जायेगा। भूजल स्तर में गिरावट और पानी की बढ़ती समस्या को देखते हुए बड़े बांधों पर निर्भरता कम कर जलग्रहण विकास तथा भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जायेगा। मिट्टी और पानी प्राकृतिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े संसाधन हैं, इसलिए इनके संरक्षण को भावी पीढ़ियों के लिए आवश्यक बताया गया है। जल संरक्षण सप्ताह का समापन 21 अगस्त को महा वॉकेथॉन-वॉक फॉर वॉटर के माध्यम से होगा। राज्य के सभी 36 जिलों के साथ पालघर में भी अधिकतम 3 किलोमीटर की वॉकेथॉन आयोजित की जायेगी। इस दौरान प्रतिभागियों को मृदा एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाई जायेगी।

पानी रोको, पानी जमीन में उतारो, जलयुक्त महाराष्ट्र बनाओ ₹ इस अभियान का प्रमुख संदेश रहेगा। सरकारी अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, NCC, NSS, माय भारत, नेहरू युवा केंद्र, स्वयंसेवी संस्थाएं, सामाजिक एवं खेल संगठन, महिलाएं तथा आम नागरिकों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की गई है। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुष एवं महिलाएं वॉकेथॉन में हिस्सा ले सकेंगे। प्रत्येक जिले में 10 से 15 हजार प्रतिभागियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। जल संरक्षण अभियान को युवाओं तक पहुंचाने के लिए 'Reel for Soil and Water Conservation' प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। 15 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियां मिट्टी एवं जल संरक्षण विषय पर 30 से 60 सेकंड की Instagram Reel तैयार कर सकेंगे। Reel पोस्ट करते समय # SaveSoilSaveWater हैशटैग का उपयोग अनिवार्य रहेगा। Reel अपलोड करने की अवधि 15 से 19 अगस्त तक निर्धारित की गई है।

जिलास्तर पर प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 25 हजार रुपये, द्वितीय 15 हजार रुपये तथा तृतीय 10 हजार रुपये दिया जायेगा। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र भी प्रदान किये जायेंगे। डिजिटल माध्यम से युवाओं को जोड़कर मृदा एवं जल संरक्षण की व्यापक जनचेतना पैदा करने का लक्ष्य रखा गया है। जल संरक्षण अभियान के दौरान पालघर जिले के स्कूलों एवं महाविद्यालयों में निबंध, चित्रकला, पोस्टर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। इसके अलावा एक स्कूल-एक सोख्ता गड्ढा, पानी बचाने को लेकर जनजागरूकता तथा जलमित्र और जलदूत जैसे उपक्रम भी चलाए जायेंगे। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण कार्यों का भूमिपूजन, लोकार्पण एवं जलपूजन किया जायेगा। अमृत सरोवर क्षेत्रों में वृक्षारोपण के साथ ही जनसहभागिता से नालों, तालाबों, कुओं और पाझर तालाबों की स्वच्छता जैसे कार्य भी किये जायेंगे। इस संबंध में जानकारी जिला परिषद पालघर के लघु पाटबंधारे विभाग की ओर से दी गई है। प्रशासन ने नागरिकों से जल संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी कर इसे व्यापक जनआंदोलन बनाने का आहवान किया है।

मीरा भायंदर मनपा की विभिन्न समितियों के कार्यालयों का उद्घाटन

- विधायक नरेंद्र मेहता के हाथों हुआ उद्घाटन, नवनियुक्त सभापतियों को दी गई शुभकामनाएं

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका की विभिन्न समितियों के कार्यालयों का उद्घाटन विधायक नरेंद्र मेहता के शुभहस्ते संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न समितियों के सभापतियों का अभिनंदन करते हुए उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर निम्नलिखित समितियों के कार्यालयों का उद्घाटन किया गया–

1. समाज कल्याण एवं झोपड़पट्टी सुधार समिति – सभापति राजनिकांत मयेकर 2. जलापूर्ति एवं मलनिस्सारण समिति – सभापति मोहन गोपाल म्हात्रे 3. शिक्षा, खेल एवं सांस्कृतिक समिति – सभापति स्नेहा शैलेश पांडे

4. स्वास्थ्य, चिकित्सा स्वास्थ्य, पर्यावरण, उद्यान एवं शहर सौंदर्यीकरण समिति – सभापति मधुसूदन पुरोहित कार्यक्रम के दौरान सभी सभापतियों का अभिनंदन कर उन्हें मीरा-भायंदर के विकास और नागरिकों की सेवा के लिए प्रभावी एवं सफल कार्य करने की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता, उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटील, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप जैन, नगरसेवक एवं भाजपा पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि महानगरपालिका की सभी समितियां नागरिकों की समस्याओं के समाधान, शहर के विकास और जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए प्रभावी ढंग से कार्य करेंगी। जनसेवा और शहर विकास के संकल्प के साथ मीरा-भायंदर महानगरपालिका की समितियों के नए कार्यालयों का शुभारंभ क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पालघर में 766 स्थानों पर खुलेंगे आपले सरकार सेवा केंद्र

इच्छुक व्यक्तियों व महाविद्यालयों से 31 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के विभिन्न शासन निर्णयों एवं संशोधित मानदंडों के अनुसार पालघर जिले में 766 रिक्त स्थानों पर आपले सरकार सेवा केंद्र शुरू किये जायेंगे। इसके लिए इच्छुक व्यक्तियों तथा महाविद्यालयों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाएं अधिक आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी।

ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर परिषद एवं महानगरपालिका क्षेत्र के अनुसार रिक्त स्थानों की सूची, पात्रता, आवश्यक शर्तें तथा आवेदन का नमूना पालघर जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट के साथ ही जिलाधिकारी कार्यालय एवं संबंधित तहसील कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध कराया गया है। पात्र इच्छुक आवेदकों को आवेदन पत्र पूर्ण एवं सही जानकारी के साथ जिलाधिकारी कार्यालय, पालघर, भूतल, पंजीकरण शाखा (कमरा क्रमांक 04) में जमा करना होगा। आवेदन 14 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक स्वीकार किये जायेंगे। आवेदन कार्यालयीन समय में सुबह 9.45 बजे से शाम 6.15 बजे तक व्यक्तिगत रूप से जमा किये जा सकेंगे। प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद संबंधित आवेदक के प्रस्तावित कार्यालय का प्रत्यक्ष निरीक्षण 1 सितंबर से 11 सितंबर 2026 के बीच संबंधित ग्राम राजस्व अधिकारियों द्वारा किया जायेगा। यदि किसी एक भौगोलिक क्षेत्र के लिए एक से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो आगे की चयन प्रक्रिया साक्षात्कार के माध्यम से पूरी की जायेगी। साक्षात्कार की तारीख, स्थान एवं समय की जानकारी पालघर जिला प्रशासन की वेबसाइट और जिलाधिकारी कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रकाशित की जायेगी। साक्षात्कार के बाद प्राथमिक चयन सूची जारी कर उस पर आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किये जायेंगे। पात्र आवेदकों से आवश्यक शपथपत्र प्राप्त करने के बाद अंतिम चयन एवं नियुक्ति आदेश से संबंधित जानकारी अलग से प्रकाशित की जायेगी। चयनित आवेदकों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण तथा छह महीने की परिवीक्षा अवधि पूरी करना आवश्यक होगा। सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद संतोषजनक प्रदर्शन एवं निर्धारित प्रदर्शन सूचकांकों के आधार पर पात्र व्यक्तियों को तीन वर्ष के लिए नियमित मान्यता प्रदान की जायेगी। इच्छुक आवेदकों से अपील की गई है कि आवेदन करने से पहले रिक्त स्थानों की सूची, पात्रता, नियम एवं शर्तें तथा आवेदन का नमूना ध्यानपूर्वक जांच लें। अधिक जानकारी के लिए पालघर जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट तथा जिलाधिकारी एवं संबंधित तहसील कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध सूचनाओं का अवलोकन करें।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बीईओ के खिलाफ शिक्षकों का हंगामा, बीआरसी का घेराव

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बांसवारी स्थित बीआरसी परिसर में गुरुवार को खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) रविशंकर यादव के खिलाफ ढाई सौ से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। शिक्षकों ने बीईओ पर मनमानी, अभद्र व्यवहार और उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए स्थानांतरण की मांग की। कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। महिला शिक्षकों ने आरोप लगाया कि अवकाश स्वीकृत होने के बाद भी अनुपस्थित दर्ज किया जाता है और उसे सही कराने के नाम पर धन मांगने का दबाव बनाया जाता है। निजी विद्यालय संचालकों ने भी जांच के नाम पर परेशान करने का आरोप लगाया। बीआरसी के लिपिक ने एसी और भवन की पुताई के लिए धन मांगने तथा स्थानांतरण की धमकी देने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस पहुंची तो कुछ देर गहमागहमी की स्थिति बन गई। मुकदमे की चेतावनी पर शिक्षक और आक्रोशित हो गए। करीब तीन घंटे तक बीआरसी परिसर और सड़क पर प्रदर्शन चला, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार पांडेय और तहसीलदार अजीत कुमार ने शिक्षकों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। शिक्षक संघ अध्यक्ष संजय सिंह की बीएसए से फोन पर वार्ता हुई। जांच और दोषी मिलने पर कार्रवाई के आश्वासन के बाद शिक्षक जौनपुर में अधिकारियों से मिलने को तैयार हुए और प्रदर्शन समाप्त किया। बीईओ रविशंकर यादव ने आरोपों को गलत बताया। बीएसए ने कहा कि मामला संज्ञान में है, जांच के बाद दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, महिला एजेंट गिरफ्तार, दो युवतियों का रेस्क्यू

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भाईंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बालक संरक्षण व काळजी कक्ष की टीम ने भाईंदर पूर्व स्थित नवघर पुलिस थाना क्षेत्र में ऑनलाइन सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो पीड़ित युवतियों को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया। मामले में मुंबई के दो कथित मास्टरमाइंड एजेंट फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि भाईंदर पूर्व के न्यू गोल्डन नेस्ट, आईसीआईसीआई बैंक और काठियावाड़ी होटल के आसपास एक महिला एजेंट ग्राहकों को युवतियों के फोटो भेजकर ऑनलाइन बुकिंग करती है और देह व्यापार के लिए युवतियों को उपलब्ध कराने वाली है। सूचना के आधार पर महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बालक संरक्षण व काळजी कक्ष की वरिष्ठ पुलिस

निरीक्षक शीतल मुंढे के मार्गदर्शन में टीम ने बोगस ग्राहक और पंच की मदद से जाल बिछाया। इसके बाद मौके पर छापेमारी कर महिला एजेंट को हिरासत में लिया गया और उसके कब्जे से संबंधित जानकारी के आधार पर दो पीड़ित युवतियों को रेस्क्यू किया गया। तीन वर्षों से नेटवर्क चलाने का आरोप प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार महिला एजेंट और मुंबई के दो कथित वांटेड एजेंट पिछले करीब तीन वर्षों से मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और मीरा-भाईंदर क्षेत्र की लॉजिंग में ग्राहकों को युवतियां उपलब्ध कराने का काम कर रहे थे। आरोपियों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से ग्राहकों से संपर्क किया जाता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कथित तौर पर ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस के नाम से वेबसाइट/पेज के माध्यम से ग्राहकों को युवतियों के फोटो भेजते थे। ऑनलाइन भुगतान लेने के बाद लॉजिंग में कमरा बुक कर युवतियों को वहां पहुंचाने का आरोप है। नेटवर्क में और कितने लोग शामिल, जांच जारी गिरफ्तार महिला एजेंट से पुलिस पूछताछ कर रही है। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि इस नेटवर्क में फरार दो आरोपियों के अलावा और कितने लोग शामिल हैं तथा अब तक कितनी युवतियों को इस अवैध गतिविधि में धकेला गया। पुलिस ने गिरफ्तार महिला एजेंट तथा फरार आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं और अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम पीटा एक्ट की धाराओं 4 व 5 के तहत कार्रवाई शुरू की है। रेस्क्यू की गई दोनों पीड़ित युवतियों को नियमानुसार सुरक्षित महिला सुधारगृह में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, क्राइम ब्रांच के डीसीपी संदीप डोईफोडे एवं एसीपी बांगर के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में महिला अत्याचार प्रतिबंधक/विशेष बालक संरक्षण व काळजी कक्ष की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल मुंढे, एएसआई राजाराम आसवाले, पुलिस हेड कांस्टेबल किशोर पाटील, चेतन राजपूत, महिला पुलिस हेड कांस्टेबल निशिगंधा मांजरेकर, पुलिस कांस्टेबल ललित पाटील सहित क्राइम ब्रांच की टीम शामिल रही। पुलिस की इस कार्रवाई से मानव तस्करी और अवैध देह व्यापार में शामिल नेटवर्क के खिलाफ सख्त संदेश गया है।

छह चोरी की बाइक बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार सदर अस्पताल से चोरी बाइक भी मिली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की छह मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी अतुल सोनकर उर्फ बुल्ला को गिरफ्तार किया है। बरामद सभी मोटरसाइकिलें बिना नंबर प्लेट की हैं। आरोपी के पास से 600 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, 14 अगस्त की सुबह उपनिरीक्षक जयदीप कोल पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर राजासाहब पोखरे और रसूलाबाद मालगोदाम के पास करीब 4:15 बजे उमरपुर सुंदरनगर कॉलोनी गुलरचक निवासी अतुल सोनकर उर्फ बुल्ला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की छह मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इनमें एक बाइक वह भी है, जिसे एक जून 2026 को सदर अस्पताल जौनपुर के पास से चोरी किया गया था। उक्त बाइक का नंबर वढ 62 उए 7187 बताया गया है। गिरफ्तारी के बाद कोतवाली थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 187/2026 में बीएनएस की धाराएं 317(2), 317(4) और 317(5) की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ के आधार पर वाहन चोरी से जुड़े अन्य मामलों की भी जानकारी जुटा रही है। उसके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अनिता सिंह, उपनिरीक्षक जयदीप कोल, उपनिरीक्षक राहुल रंजन, हेड कांस्टेबल सरोज कुमार, इस्तेखार खां, राकेश सिंह और कांस्टेबल मोहन यादव शामिल रहे।

इंदौर दशहरा मैदान पर अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा का भूमिपूजन 16 को

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर(उत्तरशक्ति)। श्रद्धेय भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कर कमलों द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का भूमिपूजन दिनांक 16 अगस्त 2026 दिन रविवार को दोपहर 3:30 बजे अटल पथ का लोकार्पण किया

जाएगा। यह कार्यक्रम सीधा लोकार्पण न होकर अटल जी की प्रतिमा के लिए भूमिपूजन का है। उस शुभ अवसर पर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधानसभा क्रमांक 4 की विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, महापौर पुष्यमित्र भार्गव उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी प्रदीप व्यास ने दी है।

वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय ने डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी को जन्म दिन की बधाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड वरिष्ठ पत्रकार एवं महामंत्री भाजपा (उभामों) मीरा भाईंदर जिला शहर महेंद्र पाण्डेय एवं स्पेक्ट्रम डायग्नोस्टिक के सेल्स मैनेजर राकेश पाण्डेय ने मिलकर ये केयर आथोर्पेडिक हॉस्पिटल मीरा रोड के हेड ऑफ डिपार्मेंट डॉक्टर अभिषेक चतुर्वेदी को जन्म दिन की बधाई दी। साल गुलदस्ता भेंट कर जन्म दिन की बधाई देने पर भाजपा मीरा भाईंदर महामंत्री महेंद्र पाण्डेय ने कहा कि डॉक्टर पृथ्वी के भगवान स्वरूप होते है जिसका डॉक्टर अभिषेक चतुर्वेदी बखूबी निर्वहन करते है। ये केयर आथोर्पेडिक हॉस्पिटल के अन्य डॉक्टर्स एवं नर्सों ने मिलकर अपने डॉक्टर को जन्म दिन की बधाई दी।

संजयभाऊ खंडागळे के जन्मदिन पर टाइगर ग्रुप का सामाजिक उपक्रम

मुंबई। टाइगर ग्रुप के मुंबई अध्यक्ष संजयभाऊ खंडागळे के जन्मदिन के अवसर पर घाटकोपर के भटवाड़ी स्थित संत मुक्ताबाई अस्पताल में मरीजों को फल वितरित कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाई गई। इस सामाजिक उपक्रम का आयोजन टाइगर ग्रुप के घाटकोपर तालुका अध्यक्ष राहुलभाऊ पवार की ओर से किया गया। इस अवसर पर टाइगर ग्रुप के महासचिव दिनेश शर्मा, घाटकोपर तालुका उपाध्यक्ष सोमनाथ फलके, कुणाल पाटील, आकाश मनसुख, विष्णु कांबले, राकेश मकवाना, गणेश जाधव सहित टाइगर ग्रुप के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। संजयभाऊ खंडागळे के जन्मदिन के अवसर पर टाइगर ग्रुप के कार्यकर्ताओं द्वारा मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक उपक्रम आयोजित किए गए। जरूरतमंद नागरिकों की मदद करते हुए अस्पताल के मरीजों को फल वितरित किए गए। इसके अलावा फुटपाथों और सड़कों के किनारे गुजर-बसर करने वाले जरूरतमंद नागरिकों को भोजन भी वितरित किया गया। घाटकोपर तालुका अध्यक्ष राहुलभाऊ पवार ने बताया कि जन्मदिन का उत्सव केवल खुशी मनाने तक सीमित न रखते हुए समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों की सेवा करने का संदेश इन उपक्रमों के माध्यम से दिया गया।

नशे और साइबर अपराध के खिलाफ 21 हजार विद्यार्थियों ने लिया जागरूकता का संकल्प

मीरा-भायंदर। नशाखोरी और बढ़ते साइबर अपराध के खिलाफ मीरा-भायंदर एवं वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय ने गुरुवार, 13 अगस्त को व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक की पहल पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पुलिस आयुक्त कार्यालय से किया गया, जिसमें 100 से अधिक विद्यालयों के करीब 21,000 विद्यार्थी एवं शिक्षक ऑनलाइन जुड़े। सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को मादक पदार्थों के दुष्परिणाम तथा साइबर अपराध से बचाव के उपायों की जानकारी देना और उनके माध्यम से समाज के अन्य लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचाना था। पुलिस आयुक्त ने विद्यार्थियों को किया जागरूक। पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को ऑनलाइन के माध्यम से नशे के बढ़ते खतरे और साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अपराध होने के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है कि नागरिक पहले से जागरूक रहें और अपराध का शिकार होने से बचें। कार्यक्रम के दौरान अभिनेता सोनू सूद, रितेश देशमुख, मुकेश ऋषि और राजा मुराद के जागरूकता संदेश वाले वीडियो भी विद्यार्थियों को दिखाए गए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिंत्रे ने साइबर जागरूकता विषय पर विशेष सत्र लेते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों को ऑनलाइन ठगी, साइबर अपराध तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने नागरिकों से सतर्कता बरतने और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि के प्रति सावधान रहने का आह्वान किया। युमेट्टा फाउंडेशन के डॉ. नीलेश वंशात मोहिते ने मादक पदार्थों के दुष्परिणामों पर मार्गदर्शन दिया। वहीं, नशे की लत से बाहर निकलकर स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जी रहे अक्षय सर ने विद्यार्थियों के साथ अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि नशे से दूर रहने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और किन गलत आदतों से बचना जरूरी है। उनका अनुभव विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक रहा। विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ कार्यक्रम के अंत में पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण सर्कल-1, मीरा रोड ने ऑनलाइन जुड़े विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के समापन पर आभार व्यक्त किया गया और राष्ट्रगान के साथ जागरूकता अभियान का समापन हुआ। संदेश साफ है—नशे से दूरी, साइबर अपराध से सावधानी और जागरूक समाज ही सुरक्षित भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा की मोचेर्बंदी तेज

प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के दौरे से चुनावी तैयारी को मिली गति

डोंबिवली/नवी मुंबई। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की पृष्ठभूमि में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने विदर्भ का दो दिवसीय दौरा कर विभिन्न संगठनात्मक जिलों में बैठकें कीं। इन बैठकों के माध्यम से उन्होंने चुनावी रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों और कार्यकर्ताओं की भूमिका की समीक्षा की। रविंद्र चव्हाण की प्रमुख उपस्थिति में नागपुर ग्रामीण (रामटेक), चंद्रपुर महानगर एवं ग्रामीण, गढ़चिरौली, गोंदिया, भंडारा, नागपुर महानगर, काटोल और वर्धा के संगठनात्मक जिलों की बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में संगठन को मजबूत करने, चुनावी योजना और कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। चव्हाण ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठित एवं योजनाबद्ध तरीके से चुनाव मैदान में उतरने का आह्वान किया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा॥आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी और आदरणीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीसजी के नेतृत्व में विदर्भ में विकास की गंगा प्रवाहित हुई है। नागपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पुण्यभूमि है और विदर्भ भाजपा का मजबूत गढ़ है। इस दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह और जीत का आत्मविश्वास दिखाई दिया। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए हम पूरी ताकत के साथ तैयार हैं। हमें पूरा विश्वास है कि जीत हमारी ही होगी। चंद्रपुर में आयोजित बैठक के दौरान ब्रह्मपुरी के प्रो. शेख सर का रविंद्र चव्हाण के हाथों सम्मान किया गया। प्रो. शेख सर वर्ष 1980 से पार्टी के कार्यों के लिए समर्पित रहे हैं। इस अवसर पर चव्हाण ने कहा कि प्रो. शेख सर जैसे समर्पित और वरिष्ठ कार्यकर्ता भाजपा परिवार के वास्तविक आधारस्तंभ हैं। ऐसे निष्ठावान कार्यकर्ताओं के संघर्ष और योगदान से ही पार्टी का मजबूत संगठन खड़ा हुआ है। दौरे के दौरान रविंद्र चव्हाण ने रामटेक के जिलाध्यक्ष आनंदराव राऊत, विधायक कीर्तिकुमार (बंटी) भांगड़िया, पूर्व विधायक अतुल देशकर, वरिष्ठ नेता किशन नागदेवे, पूर्व विधायक कृष्णा गजभिये और विधायक विनोद अग्रवाल के निवास एवं कार्यालयों पर सदिच्छा भेंट की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर संगठन की स्थिति और चुनावी तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरे में मंत्री डॉ. अशोक उईके, राज्यमंत्री एवं पालकमंत्री पंकज भोयर, प्रदेश महासचिव विधायक संजय कुटे, विधायक संजय भेंडे, विधायक प्रवीण दटके, विधायक कीर्तिकुमार (बंटी) भांगड़िया, विधायक किशोर जोरगेवार, विधायक करण देवतले, विधायक देवराव भोंगळे, विधायक चैनसुख संचेती, विधायक अरुण लखाणी, विधायक परिणय फुके, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक विजय रहांगडाले, विधायक संजय पुराम और विधायक अविनाश ब्राह्मणकर सहित पूर्व सांसद हंसराज अहीर, सुनील मेंढे, पूर्व विधायक तथा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गणेश मंदिर में हुई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

लोहार्गल। राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के प्रसिद्ध लोहार्गल तीर्थस्थल के मुख्य मार्ग में स्थित गणेश मंदिर परिसर में शुक्रवार को माँ सरस्वती वीणा धारिणी की पूजा अर्चना कर विधि विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा हुई। इस से पूर्व पंडित जीतू शर्मा ने सोनाराम कुमावत व प्रभुदयाल किरोड़ीवाल को सपत्नीक जोड़े से बिठाकर यज्ञ-अनुष्ठान करवाया और विधिवत पूजा अर्चना कर सवा ग्यारह बजे के शुभ मुहर्त में मूर्ति को नव निर्मित मंदिर में प्रतिष्ठित किया गया। स्मृति शेष श्री मति चंदा देवी धर्मपत्नी प्रेमचंद सिरस्वा (गुरूजी) निवासी बिसाऊ द्वारा इस माँ सरस्वती मंदिर का निर्माण करवाया गया है। आयोजित हुए इस पुण्य कार्यक्रम में प्रगतिशील कुमावत समिति के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र प्रजापति, समिति सरंक्षक डॉ राजेंद्र कुमावत,फूलचंद लुहानीवाल,मूलचंद बिवाल महेश कुमार बारवा सहित कई धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

बीजेपी युवा नेता अरुण तिवारी द्वारा आयोजित महारुद्राभिषेक में पहुंचे गणमान्य लोग

भायंदर। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला सचिव तथा तीर्थराज प्रयाग पूर्वांचल फाउंडेशन के अध्यक्ष अरुण तिवारी द्वारा उनके श्री नवदुर्गा कार्गो सर्विस शॉप में महारुद्राभिषेक का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राजनीति और समाज के अनेक जाने-माने लोग उपस्थित रहे। देश के सुप्रसिद्ध शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता तथा मुंबई भाजपा प्रवक्ता डॉ. योगेश दुबे, भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप जैन, वरिष्ठ पत्रकार अरुण उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, कामगार नेता अवधेश पांडे, परिवहन समिति के सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, संदीप शाह, आचार्य बालकृष्ण द्विवेदी, बीजेपी जिला महासचिव रथीन दत्ता, दीपक अग्रवाल, कुणाल पटेल, केविन शाह, महेंद्र पांडे, सुभाष पांडे, एड, पी एस दुबे, महंत सुरेश गुरु ओझा, लोकगायक मुकेश तिवारी, बृजेश पांडे सचिन सिंह, हौसला शुक्ला, लक्ष्य यादव समेत अनेक लोगों ने महारुद्राभिषेक में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। अरुण तिवारी ने समस्त लोगों का स्वागत सम्मान किया।

पीएनबी ने निकाली 'हर घर तिरंगा यात्रा', 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने का मनाया जश्न

मुंबई। देश के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में और 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा यात्रा' अभियान के तहत एक वॉकाथॉन का आयोजन किया। यह पहल भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए ॥र घर तिरंगा॥ अभियान से प्रेरित रही, जिसका उद्देश्य भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को देशवासियों के दिलों के और करीब लाना है; साथ ही उस राष्ट्रीय गीत को श्रद्धांजलि अर्पित करना है जिसने स्वतंत्रता सेनानियों की कई पीढ़ियों को प्रेरणा दी और जो आज भी राष्ट्र की भावना का प्रतीक बना हुआ है। इस वॉकाथॉन का नेतृत्व द्वारका स्थित पीएनबी प्रधान कार्यालय से बैंक के कार्यपालक निदेशक एम. परमासिवम, कार्यपालक निदेशक अमित कुमार श्रीवास्तव, मुख्य सतर्कता अधिकारीराघवेंद्र कुमार,

और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए पीएनबी के कार्यपालक निदेशक, एम. परमासिवम ने कहाः ॥जब हम भारत की स्वतंत्रता के 80 वर्ष पूरे कर रहे हैं, यह वर्ष विशेष महत्व रखता है क्योंकि हम 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष भी मना रहे हैं—एक ऐसा राष्ट्रीय गीत जिसने राष्ट्र की आत्मा को उद्वेलित किया और अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को स्वर दिया। इस पीएनबी 'हर घर तिरंगा यात्रा' के माध्यम से, हम देशभक्ति और एकता की उस अमिट भावना को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। यह पहल एक राष्ट्र-निर्माण संस्थान के रूप में हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाती है कि हम आत्म-निर्भरता, सत्यनिष्ठा और मातृभूमि की सेवा के मूल्यों को आगे बढ़ाएं। हर घर तिरंगा अभियान के अंग के तौर पर पीएनबी के अधिकारियों ने आम जनता के बीच भारतीय राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए और 'वंदे मातरम' के 150 वर्षों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई; साथ ही तिरंगे के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

महिला वर्कर्स की सुरक्षा के लिए खाड़ी देशों में बनाए 'वन स्टॉप सेंटर- विदेश मंत्रालय

मुंबई/ नई दिल्ली। खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीय महिला कामगारों के लिए काम के माहौल को अधिक सुरक्षित, सरल और सुगम बनाने की दिशा में भारत सरकार ने बड़े कूटनीतिक और मानवीय कदम उठाए हैं। मुश्किल और संकटपूर्ण परिस्थितियों में फंसी भारतीय महिलाओं को तुरंत समन्वित सहायता प्रदान करने के लिए खाड़ी देशों के प्रमुख शहरों में 7 अत्याधुनिक 'वन स्टॉप सेंटर' स्थापित किए गए हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। राज्यसभा सांसद राजीव सिंह ने खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीयों के समक्ष आने वाली दिक्कतों और उस पर भारत के रवैये को लेकर सवाल पूछा था। इसके जवाब में राज्य मंत्री ने बताया

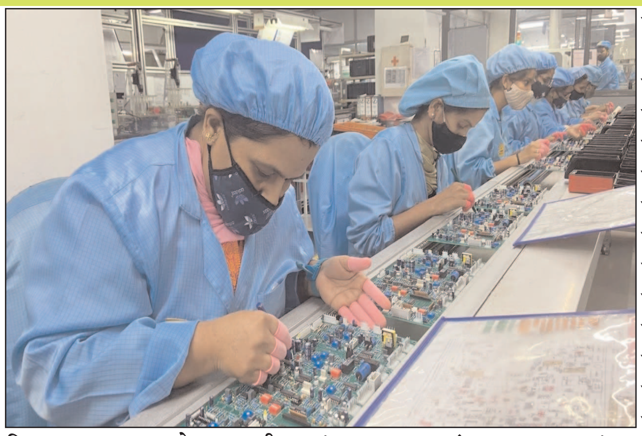

कि लगभग 1 करोड़ भारतीय नागरिक खाड़ी देशों (यूएई 45 लाख), (सऊदी अरब 27 लाख), (कुवैत 10 लाख), (कतर 8.2 लाख), ओमान (6.7 लाख), बहरीन (3.1 लाख) में रहते हैं। 2014 से जून 2026 के दौरान 'उत्प्रवास जांच आवश्यक' (ईसीआर) श्रेणी के पासपोर्ट वाले कुल 50,25,506 प्रवासी कामगारों को 6 खाड़ी देशों में विदेशी रोजगार के लिए 'उत्प्रवास मंजूरी' (ईसी) दी गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मंत्री ने कहा, भारतीय महिला कामगारों की भर्ती सिर्फ. सरकारी आरए के जरिए या सीधे किसी विदेशी नियोक्ता (एफई) द्वारा की जा सकती है, जो संबंधित भारतीय मिशन/पोस्ट के साथ रजिस्टर्ड हो। महिला कामगारों को काम पर रखने वाले एफई को संबंधित भारतीय मिशन/पोस्ट के पास 2,500 डॉलर की फाइनेंशियल गारंटी जमा करनी होती है और कामगार व नियोक्ता के बीच हुए कॉन्ट्रैक्ट को भारतीय मिशन से प्रमाणित करवाना जरूरी है। महिलाओं की सहायता के लिए मनामा, मस्कट, दोहा, रियाद, दुबई, जेद्दा और कुवैत में 7 'वन स्टॉप सेंटर' बनाए गए हैं। सेंटरों में खास हेल्पलाइन हैं, ये मेडिकल और पुलिस सहायता तक पहुंच आसान बनाते हैं, कानूनी मदद और काउंसलिंग देते हैं और मनोवैज्ञानिक-सामाजिक सहायता भी प्रदान करते हैं।उन्होंने कहा, सभी शिकायतों (महिला एवं पुरुष द्वारा) के समाधान के लिए वॉक-इन अपॉइंटमेंट, ईमेल, चौबीसों घंटे कार्यरत बहुभाषी आपातकालीन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, मदद/ई-माइग्रेट जैसे चैनल स्थापित हैं। कामगारों को मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने के लिए दुबई, जेद्दा और रियाद में 'प्रवासी भारतीय सहायता केंद्र' स्थापित किए गए हैं। मंत्री सिंह ने संसद के समक्ष भारतीय मिशनों को मिलने वाली शिकायतों और उनके तुरंत समाधान किए जाने से जुड़े आंकड़ें भी साझा किए, जिनमें अधिकतर मामलों में तत्काल समाधान की बात कही गई। उन्होंने बताया कि विदेश जाने वाले भारतीय कामगारों को 'प्रवासी भारतीय बीमा योजना' का भी काफी लाभ मिल रहा है।

पुस्तकालय शांत वातावरण में ज्ञान प्राप्त करने का सर्वोत्तम साधन : लल्लन तिवारी

भायंदर। पुस्तकालय ज्ञान का मंदिर है। यह वह स्थान है जहाँ विभिन्न विषयों की अनगिनत पुस्तकें, पत्रिकाएँ और अन्य अध्ययन सामग्री सुरक्षित रखी जाती है। पुस्तकालय का महत्व छात्रों, शोधकताओं और आम लोगों के जीवन में बहुत अधिक है क्योंकि यह निःशुल्क और शांत वातावरण में ज्ञान प्राप्त करने का सबसे अच्छा साधन है। मीरा रोड स्थित श्री एल आर तिवारी कॉलेज ऑफ लॉ में लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हुए राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिव पूजन पांडे, महाविद्यालय के प्राचार्य, डिग्री कॉलेज के प्राचार्य, जूनियर कॉलेज के प्राचार्य, विधि महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, प्रशासनिक कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विधि विद्यार्थी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने नई लाइब्रेरी का अवलोकन किया तथा विधि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अध्ययन सुविधाओं की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि कानून के विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि उनके ज्ञान, शोध एवं व्यावसायिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र होता है। आधुनिक एवं समृद्ध लाइब्रेरी विद्यार्थियों को अपने विषय का गहन अध्ययन करने, न्यायिक निर्णयों एवं विधिक साहित्य का अध्ययन करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं एवं भविष्य के विधिक व्यवसाय की तैयारी में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगी। महाविद्यालय के प्राचार्य ने इस अवसर पर कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना महाविद्यालय की प्राथमिकता है। नई लाइब्रेरी की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यार्थी इस सुविधा का अधिकतम उपयोग कर अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक ज्ञान को और मजबूत करेंगे। नई लाइब्रेरी के उद्घाटन के साथ श्री एल. आर. तिवारी कॉलेज ऑफ लॉ ने अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर अध्ययन एवं शोध सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। यह नई सुविधा आने वाले समय में विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन, विधिक अनुसंधान तथा उनके समग्र शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत डाक विभाग ने डी एम एवं एस पी को भेंट किया तिरंगाः आमजनों को भी जुड़ने का अपील

जहानाबाद। हर घर तिरंगा अभियान के तहत डाक विभाग की ओर से 13 अगस्त 2026जिला पदाधिकारी, छिरिड़ वाई भूटिया एवं पुलिस अधीक्षक, कोटा किरण कुमार जहानाबाद को डाक विभाग के प्रतिनिधि सह डाक सहायक, जहानाबाद अभय कुमार ने उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में तिरंगा भेंट किया।इस अवसर पर डाक विभाग हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को और सुदृढ़ करने तथा वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डाक विभाग द्वारा तिरंगे का वितरण किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित कर उनमें राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि आमजन अपने नजदीकी डाकघर से उचित दर पर तिरंगा प्राप्त कर सकते हैं। सक्रिय सहभागिता कर हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं।

राशन कार्ड आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि की पुनः समीक्षा; 7 बजे तक शत-प्रतिशत प्रविष्टि का सख्त निर्देश

जहानाबाद। जिला पदाधिकारी, छिरिड़ वाई भूटिया द्वारा आपूर्ति विभाग अंतर्गत राशन कार्ड के संग्रहित आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रगति की पुनः समीक्षा की गई। राशन कार्ड से संबंधित संग्रहित कुल 2,875 आवेदनों में से अब तक 1,439 आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि की गई है। निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप शत-प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि पूर्ण नहीं होने पर जिला पदाधिकारी द्वारा इसे गंभीरता से लिया गया। जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि शेष सभी आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि आज दिनांक 13 अगस्त, 2026 को संध्या 7:00 बजे तक हर हाल में पूर्ण करते हुए, शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित किया जाए अन्यथा निर्धारित समय-सीमा तक कार्य पूर्ण नहीं करने वाले संबंधित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाएगा। ऑनलाइन प्रविष्टि की सतत निगरानी करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। उक्त समीक्षा के दौरान जिला अनुमंडल पदाधिकारी एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी उपस्थित थे, जबकि सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से जुड़े थे।

जहानाबाद गांधी मैदान में फुल ड्रेस परेड का प्रदर्शन, जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

जहानाबाद। अगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांधी मैदान में होने वाली आज आगामी 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल एवं गरिमामय आयोजन के मद्देनजर गांधी मैदान, जहानाबाद में आयोजित फुल ड्रेस परेड रिहर्सल का जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, जहानाबाद द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी पुलिस प्लाटूनों के प्रदर्शन, मार्च-पास्ट, अनुशासन एवं समग्र तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया गया। साथ ही संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों को 15 अगस्त के मुख्य समारोह को सुरक्षित, अनुशासित, भव्य एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आम जनमानस से अपील की गई अधिक संख्या में इसमें शामिल हों।

दलित सम्मान पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर, खड़गे को अपने शासनकाल का भी हिसाब देना चाहिए : डॉ. संतोष कुमार सुमन

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद कथित शुद्धिकरण की घटना पर कहा कि जाति के आधार पर किसी भी व्यक्ति का अपमान लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं है। यदि किसी व्यक्ति या संगठन ने जातिगत भेदभाव की भावना से ऐसा किया है तो निष्पक्ष जांच हो और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि वे स्वयं दलित समाज से आते हैं और दलितों के सम्मान तथा सामाजिक न्याय के विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

लेकिन कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए कि दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद उसके शासनकाल में दलितों के साथ भेदभाव और सामाजिक असमानता पूरी तरह समाप्त क्यों नहीं हुई। आज उसी कांग्रेस द्वारा दलित सम्मान के नाम पर राजनीतिक आक्रोश पैदा करना दोहरे चरित्र को दर्शाता है।

डॉ. सुमन ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं राज्यसभा में सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने इस मामले में जांच की बात कही है, इसलिए पहले पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए। जांच से पहले किसी राजनीतिक दल या संगठन को दोषी ठहराना उचित नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने सामाजिक समरसता और वंचित वर्गों के सम्मान को मजबूत किया है। कांग्रेस को दलितों के नाम पर राजनीति करने के बजाय अपने लंबे शासनकाल का आत्ममंथन करना चाहिए। दलित सम्मान किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र की जिम्मेदारी है।

दो वर्षों में आरटीपीएस पोर्टल पर प्राप्त 97 फीसदी आवेदनों का हुआ निपटारा

पटना। बिहार में आरटीपीएस (लोक सेवाओं का अधिकार) पोर्टल सरकार की ई-गवर्नेंस नीति की एक मिसाल बनकर उभर रहा है। इसके माध्यम से पंचायत स्तर पर डिजिटल सेवाओं की लोकप्रियता बढ़ी है। इस कानून का लाभ लेते हुए सिर्फ पंचायतों के स्तर पर पिछले दो वर्षों में आरटीपीएस पोर्टल के जरिये 37 लाख 87 हजार के करीब आवेदन प्राप्त हुए हैं। पंचायत स्तर पर भी बड़ी संख्या में आमजन लोक सेवाओं की सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। पंचायती राज विभाग के अनुसार, प्राप्त कुल आवेदनों में 36 लाख 91 हजार से अधिक आवेदनों का सफलतापूर्वक निपटारा किया जा चुका है, जो करीब 97 फीसदी है। पिछले दो वर्षों से पंचायतों से हर महीने औसतन लगभग 300 आवेदन पोर्टल पर प्राप्त हो रहे हैं।

निपटारा करने में ये 5 जिले आगे निपटारे के मामले में मधुबनी जिले की पंचायतें सबसे आगे है। यहां 386 पंचायतों में दो वर्षों में 3 लाख 15 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें अब तक 3 लाख 10 हजार आवेदनों का निस्तारण किया जा चुका है। इसके बाद सिवान जिले की पंचायतों में 2 लाख 89 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2 लाख 85 हजार आवेदनों का निपटारा किया गया है। सीतामढ़ी की पंचायतों में प्राप्त 1 लाख 89 हजार से अधिक आवेदनों में से 1 लाख 83 हजार से ज्यादा का निस्तारण हुआ है। इसी तरह सारण में 1 लाख 78 हजार आवेदनों में से 1 लाख 71 हजार और समस्तीपुर में 1 लाख 42 हजार आवेदनों में से 1 लाख 40 हजार का निपटारा हो चुका है। पोर्टल पर 64 नागरिक सुविधाएं उपलब्ध आरटीपीएस पोर्टल पर नागरिकों को कुल 64 प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें जाति प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल हैं। आवेदक अपने लॉग-इन के माध्यम से आवेदन की स्थिति भी ट्रैक कर सकते हैं और प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म ने सरकारी सेवाओं को समयबद्ध और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, आवेदन प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर आने वाली शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही प्रमाणपत्र जारी हो सकें।

हुलासगंज प्रखंड में निकल गया तिरंगा यात्रा, शामिल हुए घोसी विधायक ऋतुराज कुमार

जहानाबाद। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर हुलासगंज प्रखंड में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में घोसी विधायक ऋतुराज कुमार ने शामिल होकर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया के बच्चों के साथ आम नागरिक भी बढ़-चढ़कर दी भागीदारी। इस अवसर पर घोसी विधायक ऋतुराज कुमार के पूर्व विधायक बचील सिंह, जिला पार्षद अजय कुमार टुन्नु बीजेपी जहानाबाद के महामंत्री अमरेंद्र कुमार, एवं अनिल ठाकुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता, युवा एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। विधायक ऋतुराज कुमार ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, स्वाभिमान, स्वतंत्रता, एकता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने तिरंगा यात्रा में शामिल युवाओं की काफी सराहना की उन्होंने कहा इनके मजबूत इरादों के सामने हमारा तिरंगा शान से हर समय आकाश में फहराते रहेगी सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि उपादान उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताः विजय कुमार सिन्हा

पटना। कृषि मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने आज विभागीय अधिकारियों के साथ उर्वरक,बीज एवं कीटनाशी की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था, होलसेलर एवं रिटेलर स्तर पर उर्वरक की आपूर्ति, कंपनियों द्वारा निर्धारित दर एवं FoR (Freight on Road) व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन सहित किसानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की उच्चस्तरीय समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि उपादान उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर अमानक उर्वरक, बीज या कीटनाशी की बिक्री, अधिक मूल्य पर बिक्री,अनियमित वितरण, टैगिंग अथवा अन्य किसी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित थोक एवं खुदरा प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए सुसंगत धाराओं मे प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

माननीय कृषि मंत्री ने सख्त शब्दों में कहा कि बिहार को कंपनियों की चारागाह नहीं बनने दिया जाएगा। किसानों के हित में राज्य सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की मनमानी, अनुचित व्यापारिक व्यवहार अथवा वितरण व्यवस्था में अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। कंपनियों को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना होगा और किसानों तथा राज्य की उर्वरक वितरण व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार FoR की व्यवस्था को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कराने के लिए भारत सरकार एवं संबंधित कंपनियों के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित कर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। कंपनियां FoR की व्यवस्था को केवल कागजों तक सीमित न रखते हुए इसे जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करें और यह सुनिश्चित करें कि इसका वास्तविक लाभ समय पर किसानों तक पहुंचे।इस व्यवस्था के क्रियान्वयन में पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ आवश्यक कार्रवाई करें। माननीय मंत्री ने कहा कि उर्वरक वितरण व्यवस्था में शामिल होलसेलर, रैक हैंडलर एवं संबंधित कंपनियां अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करें। किसानों के हितों की अनदेखी अथवा विभागीय निर्देशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बार-बार अनियमितता सामने आने पर संबंधित प्रतिष्ठानों एवं जिम्मेदार संस्थाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। माननीय मंत्री ने कहा कि यदि किसी होलसेलर को संबंधित कंपनी द्वारा निर्धारित दर से अधिक कीमत पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है, तो संबंधित होलसेलर इसकी सूचना विभाग को दें। कंपनियों अथवा किसी अन्य स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि पदाधिकारी अपने-अपने जिले के होलसेलरों के साथ बैठक कर उर्वरक की आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित सभी समस्याओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे तथा उसका विस्तृत प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध कराएंगे।

माननीय मंत्री ने बताया कि राज्य में विभिन्न उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। आज की स्थिति के अनुसार राज्य में यूरिया 3.82 लाख मे०टन, डी०ए०पी० 1.33 लाख मे०टन, एन०पी०के० 2.46 लाख मे०टन, एम०ओ०पी० 0.67 लाख मे०टन एवं एस०एस०पी० 1.23 लाख मे०टन का भंडार उपलब्ध है। उन्होंने प्रखंडवार उर्वरक का उप-आवंटन संबंधित क्षेत्र के फसल आच्छादन एवं वास्तविक आवश्यकता के आधार पर करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों की मांग और आवश्यकता के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में समय पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके माननीय मंत्री ने कहा कि उर्वरक की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अधिक मूल्य पर बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। वर्ष 2026-27 में दिनांक 13.08.2026 तक अनियमितता के विरुद्ध 58 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा कुल 294 उर्वरक प्रतिष्ठानों के उर्वरक प्राधिकार पत्र रद्द किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में शीघ्र ही सघन जांच एवं निगरानी अभियान शुरू किया जाएगा।

ऊर्जा सचिव ने सारण जिले में ग्रिड उपकेंद्र एवं विद्युत शक्ति उपकेंद्र, तेलपा का किया निरीक्षण

पटना/छपरा। ऊर्जा सचिव सह बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अजय यादव (भा. प्र. से.) ने सारण जिले के 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र (GSS) छपरा तथा 33/11 विद्युत शक्ति उपकेंद्र (PSS), तेलपा, छपरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्युत उपकेंद्रों की विभिन्न तकनीकी एवं परिचालन व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मानक संचालन प्रक्रिया रजिस्टर, सुरक्षा उपकरणों तथा स्विचयार्ड में स्थापित पावर ट्रांसफार्मरों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इसके बाद छपरा सर्किट हाउस में विद्युत आपूर्ति अंचल, छपरा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था एवं संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान राजस्व संग्रहण, विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने योजना के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ऊर्जा सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

साथ ही, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। बैठक में सारण जिले के जिलाधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव (भा. प्र. से.), विद्युत अधीक्षण अभियंता सारण, विद्युत कार्यपालक अभियंता छपरा पश्चिम, छपरा पूर्वी, सिवान, महाराजगंज, गोपालगंज एवं मीरगंज सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

समय पर वेतन एवं मानदेय का भुगतान शिक्षकों का अधिकार, कृपा नहीं : डॉ. दिव्या ज्योति

नवादा। शिक्षक सशक्तिकरण यात्रा के दौरान आज शिक्षक साथियों के साथ हुए व्यापक संवाद में समय पर वेतन एवं मानदेय के भुगतान का मुद्दा सबसे प्रमुखता से सामने आया। शिक्षकों ने स्पष्ट कहा कि वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में जुटे हैं, लेकिन वेतन एवं मानदेय में अनावश्यक विलंब उनके लिए गंभीर आर्थिक चुनौती बन जाता है। इस पर पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की एमएलसी प्रत्याशी डॉ. दिव्या ज्योति ने दो टूक कहा कि जो शिक्षक हर दिन बच्चों का भविष्य बनाता है, उसके अपने परिवार का भविष्य वेतन के इंतजार में नहीं अटकना चाहिए। समय पर वेतन और मानदेय देना सरकार की जिम्मेदारी है—इसे किसी भी परिस्थिति में उपकार की तरह नहीं देखा जा सकता। अब चलेगा अधिकार आधारित बदलाव का अभियान डॉ. दिव्या ज्योति ने कहा कि शिक्षकों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि निश्चित समयसीमा के भीतर भुगतान की गारंटी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक को कमजोर करके मजबूत शिक्षा व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती। शिक्षक की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहली शर्त है। डॉ. दिव्या ज्योति ने कहा कि शिक्षक सशक्तिकरण यात्रा केवल जनसंपर्क अभियान नहीं, बल्कि शिक्षक समाज की समस्याओं को सुनने, समझने और उन्हें प्रभावी मंच तक पहुँचाने का संकल्प है। इस अभियान में सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग प्रदान करने वाले सम्मानित प्रधानाचार्य एवं शिक्षक साथी मनोज कुमार, मंजय दास, सीमा कुमारी, अरुण कुमार सिन्हा, संजय कुमार, चंदन सिंह, दिलीप शर्मा, राजेश महतो, सौरव तिवारी, रवि पासवान एवं अन्य सम्मानित सहयोगी। डॉ. दिव्या ज्योति ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक साथियों का विश्वास ही इस बदलाव की सबसे बड़ी ताकत है।

शिक्षा की गुणवत्ता के साथ नैतिकता, संस्कार और चरित्र निर्माण पर भी जोर जरूरीः सभापति

पटना। वरिष्ठ शिक्षाविद् और बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग में उप निदेशक डॉ. दीपक कुमार सिंह द्वारा रचित पुस्तक बिफोर डेल्विंग इंटू एजुकेशन मैनेजमेंट का लोकार्पण गुरुवार को बिहार विधान परिषद् के सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह ने किया। समारोह बुद्ध मार्ग स्थित बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अच्छी पुस्तकें केवल शब्दों का संकलन नहीं होती हैं। यह लेखक के अनुभव, विचार और भावनाओं का संसार होती हैं। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिकता, संस्कार और चरित्र निर्माण पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने लेखक डॉ. सिंह को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा प्रबंधन पर अनुभव आधारित यह पुस्तक शिक्षा व्यवस्था को समझने और उसे बेहतर बनाने में उपयोगी साबित हो सकती है। उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री श्री संजय सिंह टाइगर ने कहा कि बिहार में प्रतिभा और मेधा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा व्यवस्था का बेहतर प्रबंधन कर इस प्रतिभा को सही दिशा दी जाए। लेखक डॉ. सिंह ने बताया कि शिक्षा विभाग में लंबे समय तक कार्य करने के दौरान प्राप्त अनुभवों और शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को पुस्तक में संजोने का प्रयास किया गया है। इसमें शिक्षा प्रबंधन, व्यवस्था की चुनौतियों और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार जैसे विषयों पर विचार प्रस्तुत किए गए हैं। समारोह में बिहार म्यूजियम के महानिदेशक श्री अंजनी कुमार सिंह, बिहार रेरा के अध्यक्ष श्री विवेक कुमार सिंह, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री राजीव रौशन, निदेशक डॉ. एनके अग्रवाल, विशेष सचिव श्री पवन कुमार सिन्हा, प्रभात प्रकाशन के श्री पीयूष कुमार सहित शिक्षा जगत से जुड़े अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस पुस्तक का प्रकाशन प्रभात प्रकाशन ने किया है।

ग्रामीण विकास को मिलेगी नई उड़ान, आधार स्तंभ की भूमिका निभाएंगे आरडीओः मंत्री

पटना। ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री श्री श्रवण कुमार ने कहा कि ग्रामीण विकास को नई उड़ान मिलेगी। ग्रामीण विकास विभाग में तैनात ग्रामीण विकास पदाधिकारी (आरडीओ) ग्रामीण क्षेत्रों की आधारभूत संरचना का निर्माण, कल्याणकारी योजनाओं को तैयार करने, आपदा प्रबंधन और विधि-व्यवस्था बनाए रखने जैसी महती जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा एवं तन्मयता के साथ निभा रहे हैं। रोजगार और विकास की परिकल्पना साथ-साथ साकार हो रही है। विकसित बिहार और विकसित भारत में युवाओं की भूमिका बेहद अहम है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी। मंत्री श्री कुमार गुरुवार को बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त परीक्षा में उत्तीर्ण नव चयनित 359 ग्रामीण विकास पदाधिकारियों को नियुक्ति-पत्र वितरण के मौके पर कही। उन्होंने कहा कि आज का दिन ग्रामीण विकास विभाग के लिए अत्यंत गौरव का है। बिहार में पूर्व में 960 ग्रामीण विकास पदाधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है। मंत्री ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा में आकर विकास की जिम्मेवारी संभालते हुए ये पदाधिकारी विकास की मिसाल कायम करेंगे।

अंगदान मानवता की महान सेवा : डॉ० प्रेम कुमार

पटना। विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार ने कहा कि अंगदान महादान है। एक व्यक्ति के अंगदान करने से कई जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिल सकता है। अंगदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ने और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों को अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। माननीय अध्यक्ष ने नागरिकों से अपील की कि वे अंगदान के महत्व को समझें और इस पुनीत कार्य के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने में अपना योगदान दें।

जनता दरबार मंत्री संजय सिंह ने सुनीं जनसमस्याएं

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय में आज राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी के निर्देश पर जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में बिहार सरकार के माननीय मंत्री श्री संजय सिंह जी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से दूर-दूर से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

जनता दरबार में बड़ी संख्या में आमजन अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों को लेकर पहुंचे। मंत्री श्री संजय सिंह जी ने एक-एक कर लोगों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत कर मामलों के शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पार्टी के मीडिया प्रभारी सह प्रवक्ता निशांत मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री चिराग पासवान जी के निर्देश पर पार्टी लगातार आम जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए प्रयासरत है। जनता दरबार के माध्यम से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे पार्टी एवं सरकार के जिम्मेदार प्रतिनिधियों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के संकल्प के साथ लोजपा (रामविलास) आमजन की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी।

बिहार में महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी को बढ़ावा देने हेतु 17 अगस्त को पटना में रोड शो का आयोजन

केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में निवेशकों को उपलब्ध अवसरों की दी जाएगी विस्तृत जानकारी

पटना। खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार सरकार के सौजन्य से आगामी 17 अगस्त, 2026 को पटना स्थित होटल मौर्या में महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) ब्लॉकों की नीलामी के संबंध में एक भव्य रोड शो तथा राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण एवं विकास न्यास (NMEDT) पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व मंत्री श्री प्रमोद कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की 8वें चरण की नीलामी, बिहार में उपलब्ध महत्वपूर्ण खनिज संपदा, नीलामी प्रक्रिया, ई-निविदा प्रणाली तथा निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी निवेशकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे करेंगे। इस अवसर पर बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व मंत्री श्री प्रमोद कुमार सहित खान मंत्रालय, भारत सरकार, खनिज अन्वेषण एवं परामर्श लिमिटेड (MECL), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकार के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा संभावित निवेशक उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की रूपरेखा निम्नानुसार निर्धारित की गई है–

8वें चरण की महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी हेतु रोड शो एवं NMEDT कार्यशाला समयः पूर्वाह्न 9:30 बजे से अपराह्न 1:15 बजे तक स्थानः होटल मौर्या, पटना खनिज अन्वेषण पर कार्यशाला : योजना, क्रियान्वयन एवं रिपोर्टिंग समयः अपराह्न 2:15 बजे से सायं 6:25 बजे तक स्थानः होटल मौर्या, पटना श्री प्रमोद कुमार ने कहा कि बिहार खनिज संसाधनों की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील राज्य है और राज्य सरकार खनिज क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रभावी पहल कर रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा गया एवं रोहतास जिलों में स्थित मैग्नेटाइट, वैनेडियम तथा ग्लॉकोनाइट खनिज ब्लॉकों की नीलामी की जा रही है। ऐसे में यह रोड शो निवेशकों को उपलब्ध अवसरों, नीलामी प्रक्रिया तथा राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करने का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा।

मंत्री ने कहा कि यह आयोजन बिहार में खनिज आधारित उद्योगों के विकास को नई दिशा देगा। इससे देश-विदेश के निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, राज्य में निवेश को गति मिलेगी तथा खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक, पारदर्शी एवं सतत दोहन को प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पत्थर खनन क्षेत्र के विकास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

इसी क्रम में नवादा जिले के आठ पत्थर खनन पट्टों के लिए निविदा प्रकाशित की जा चुकी है तथा औरंगाबाद, गया, शेखपुरा एवं बांका जिलों के पत्थर खनन पट्टों के लिए भी 15 अगस्त तक निविदाएं जारी कर दी जाएंगी। इन खनन इकाइयों के संचालन से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा राज्य के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि खनन पट्टों के आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर उन्हें पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा। श्री प्रमोद कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि 17 अगस्त को आयोजित यह रोड शो बिहार को खनिज क्षेत्र में निवेश के एक आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा तथा राज्य के औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन और आर्थिक प्रगति को नई गति प्रदान करेगा।

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आचार्य सूरजपाल यादव
पत्रकार
दैनिक खबरें आज तक
दैनिक उत्तरशक्ति
मोबा. 9673656603

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
तारकेश्वर पाण्डेय
पत्रकार: उत्तरशक्ति
मीरा-भायंदर
मो.-8268297866

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मंगला प्रजापति
पत्रकार: उत्तरशक्ति
प्रजापति सेवा संघ
मालाड, मुंबई

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शिवसेना
रामभवन शर्मा
शिवसेना प्रवक्ता
भायंदर शहर
ठाणे, महाराष्ट्र

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनिल ताटे
भाजपा मण्डल अध्यक्ष
प्रभाग क्रमांक-14
काशीमीरा, मीरा रोड

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती यशोदा अनिल ताटे
भाजपा नगरसेविका
प्रभाग क्रमांक-14
काशीमीरा, मीरा रोड

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री मदन सिंह
भाजपा सभापति
प्रभाग क्रमांक-3
भायंदर, पूर्व

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री नवीन सिंह
भाजपा नगरसेवक
वार्ड क्रमांक- 16
मीरा-भायंदर मीरा रोड, पूर्व

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती कविता भोये
भाजपा महिला मंडल
माजी अध्यक्ष
प्रभाग क्रमांक 14 काशीमीरा मीरा रोड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
चंद्र प्रताप प्रजापति (सी.पी.)
(सेवानिवृत्त-उप प्रबंधक एमटीएनएल)
सह संपादक
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक) मुंबई
* पूर्व विशेष कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र शासन
* रायगड जिला प्रमुख: शिवसेना उत्तर भारतीय सेल (पनवेल, उरण, कर्जत विधानसभा)
* संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष: प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.
* राष्ट्रीय महासचिव: अ. भा. प्रजापति कुंभकार संघ रजि. दिल्ली
* जिला अध्यक्ष रायगढ़: अपना पूर्वांचल महासंघ महाराष्ट्र
* जिलाध्यक्ष रायगड: पुलिस गृहरक्षक संघर्ष समिति महाराष्ट्र

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!
15 AUGUST
ABS INTERNATIONAL SCHOOL
Affiliated To 10+2 CBSE New Delhi
QUALITY EDUCATION | DIGITAL CLASSROOMS | WELL EQUIPPED LABS | SPORTS & ACTIVITIES | DISCIPLINE & VALUES
ABS NAGAR, MAHARAJGANJ, BADLAPUR, JAUNPUR - 222145 | Contact: 9565353538, 9161177403
PRE-PRIMARY TO 12th | (SCIENCE, COMMERCE & HUMANITIES) | 3KM FREE TRANSPORT

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सुरेन्द्र आर. यादव
भाजपा अध्यक्ष
चांदीवली विधानसभा
उत्तर भारतीय मोर्चा

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Ram Suresh Prajapati
SOSHAL SOAPS
Shop No. 226, S. K. Mandal, L.B.S. Marg, Near Bus Depot, Opp. Jivraj Niwas, Kurla (West), Mumbai - 400 070.
mo.-9867637099,8928464964

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
लाल शेखर सिंह
(वरिष्ठ पत्रकार)
नालासोपारा, पालघर
महाराष्ट्र
मो.- 8600187619

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कंचन सिंह
प्रो. पूजा रीयल्टी
सभी प्रकार के सेल, परचेज एवं रेंटल के लिए
संपर्क करें: 9833935344, 9320335344

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
निशा तिवारी
राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
ब्राम्हण सेवा फाउंडेशन
मीरा भायंदर

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
महेन्द्र पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार
सचिव: श्री दुर्गामाता चैरिटेबल ट्रस्ट
राष्ट्रीय संरक्षक: ब्राह्मण सेवा फाउंडेशन
महामंत्री: भाजपा (उ.भा.मो.) मीरा भाईंदर
संरक्षक: ऊँ गार्डन भागवत परिवार

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अशोक मोदी
पत्रकार/समाजसेवी
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक, मुंबई

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनंदन
अजय प्रजापति
संस्थापक/अध्यक्ष
सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट (NGO) मुंबई
मो.- 8097672809

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दयाशंकर पाल
जोनल सेल्स मैनेजर
हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नितेश सिंह राजपूत
युवा जिला उपाध्यक्ष
भाजपा
मिरा भायंदर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
शशिकान्त यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष
यदुवंशी समाज सेवा संस्था
जिलाध्यक्ष: ईशान मुंबई
समाजवादी पार्टी

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आर. जतिन यादव
VANGAON LAND DEVELOPERS & REAL ESTATE AGENCY
SHOP NO 01 SHREERAM APARTMENT NEAR RAILWAY STATION VANGAON WEST 401103, mo.-9702808611

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राहुल पाटील फाउंडेशन
सेवा | समर्पण | परिवर्तन
मीरा भायंदर शहर

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
NITYA ANIMAL AND SOCIAL SERVICES COMMITTE
जल, जंगल और जानवर की सुरक्षा
अवधेश मिश्रा (रिक्की)
संस्थापक/अध्यक्ष
मो.- 8850635747
Address: Pipari Sarai ganhi, Pratapgarh (UP) 230403
Salter House: Vaidya Patti, P.O. Premdhar Patti (Barghat) Pratapgarh(UP) 23027

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
मां विंध्यवासिनी मंदिर सेवा ट्रस्ट, सायन कोलीवाड़ा म्हाडा कालोनी, मुंबई
अध्यक्ष: भरत भाई शुक्ला

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शिवसेना
मंगेश पाष्टे
शिवसेना विभाग प्रमुख
प्रभाग क्रं. 14
काशीमीरा, मीरारोड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
प्रकाश चंद्र प्रजापति
अध्यक्ष
प्रगतिशील कुमावत समिति
गणेश मंदिर ज्ञान बावड़ी, लोहार्गल झुंझुनूं
मो.-9799607301
स्थायी पता:- प्रकाश पथ, कृष्णा पुरी, राकड़ी सोडाला, जयपुर, पिन- 300206

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
गणेश मेडिकल स्टोर
आपके स्वास्थ्य का हमारा संकल्प
एलोपैथिक, आयुर्वेदिक व पशुओं की दवाइयां उचित दर पर मिलती है।
डा. राजेंद्र कुमावत SMO IInd (ब्लॉक नोडल अधिकारी उदयपुरवाटी)
चेतन कुमावत चिराना (बीएससी. नर्सिंग एण्ड डी. फार्मा)
फर्म: श्री गणेश मेडिकल स्टोर, गणेश मंदिर के पास, सीकर रोड चिराना (झुंझुनू) पिन- 333303
मो.- 7976819934, 9784177717
हेल्थ केयर: आयुर्वेद से आरोग्य की ओर.........

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
RAMJANM D. PRAJAPATI
(Chairman Club members) M.D.R.T.(USA)
Insurance & Investment Consultant
mo.- 8425006341/ 9821008139

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बॉस भाई
समाज सेवी
काशीमीरा, मीरा रोड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
ओडेसी कोआपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि.
के. आर. मिश्र (चेयरमैन)
वरिष्ठ समाज सेवी: वडाला, महाराष्ट्र

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रमोद बाबुराव माने
फलटण कोरेगांव विधान सभा क्षेत्र
शिव सेना संपर्क प्रमुख
एवं
संस्थापक/अध्यक्ष
सौरो शेल्टर

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रफीक जि. खान
(पत्रकार)
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)
बोईसर, पालघर, महाराष्ट्र

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
नान बाबू चौहान (पत्रकार)
बलरामपुर, उत्तर प्रदेश
मो.- 895755615
नेहा चौहान एवं काव्या चौहान
(हर गंगे पेंट्स) एक्टर, नाका बंगाली वसई (पश्चिम) तालुका वसई रोड जिला पालघर